मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

# उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्ष: 8 अंक 211
शनिवार, 14 फरवरी 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com


# गुलामी के प्रतीक मिटाकर बना रहे स्वतंत्र भारत की पहचान: पीएम मोदी

**नई दिल्ली, 13 फरवरी।** सेवा तीर्थ और कर्तव्य भवन 1 और 2 का उद्घाटन करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज हम सभी एक नए इतिहास के साक्षी बन रहे हैं। 13 फरवरी का यह दिन भारत के विकास पथ में एक नई शुरूआत का गवाह है। आज हम सभी विकसित भारत का संकल्प लेकर सेवा तीर्थ में, कर्तव्य भवन में प्रवेश कर रहे हैं। अपने लक्ष्य में विजयी होने का दैवीय आशीर्वाद हमारे साथ है। उन्होंने कहा कि साउथ ब्लॉक और नॉर्थ ब्लॉक जैसी इमारतें, जो ब्रिटिश सोच की हुकूमत को लागू करने के लिए बनी थीं, वहीं आज सेवा तीर्थ और कर्तव्य भवन जैसे परिसर भारत की जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए बने हैं।

मोदी ने कहा कि यहां से जो फैसले होंगे, वे किसी महाराजा की सोच को नहीं, बल्कि 140 करोड़ देशवासियों की अपेक्षाओं को आगे बढ़ाने का आधार बनेंगे। इसी अमृत भावना के साथ आज मैं ये सेवा तीर्थ और कर्तव्य भवन भारत की जनता को समर्पित कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि इस समय 21वीं सदी का पहला क्वार्टर पूरा हो चुका है। यह आवश्यक है कि विकसित भारत की कल्पना केवल नीतियों और योजनाओं में ही नहीं, बल्कि हमारे कार्यस्थलों और इमारतों में भी दिखाई दे। जहां से देश का संचालन होता है, वह जगह प्रभावी भी होनी चाहिए और प्रेरणादायी भी होनी चाहिए।

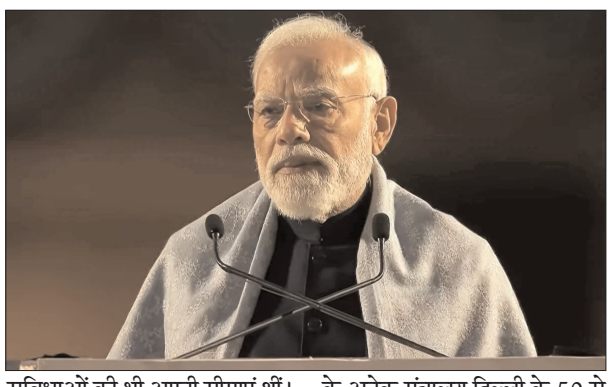



प्रधानमंत्री ने कहा कि साउथ ब्लॉक और नॉर्थ ब्लॉक जैसे पुराने भवनों में जगह की कमी थी, सुविधाओं की भी अपनी सीमाएं थीं। करीब 100 साल पुरानी ये इमारतें भीतर से जर्जर होती जा रही थीं। इसके अलावा भी अनेक चुनौतियां थीं। मैं समझता हूं कि इन चुनौतियों के बारे में बताया जाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि जैसे, आजादी के इतने सालों बाद भी दिल्ली सरकार के अनेक मंत्रालय दिल्ली के 50 से भी ज्यादा स्थानों से चल रहे हैं। प्रतिवर्ष इन स्थानों के किराये में डेढ़ हजार करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च हो रहे हैं। हर रोज 8झ्र10 हजार कर्मचारियों को एक इमारत से दूसरी इमारत में जाने का लॉजिस्टिक खर्च अलग होता था। अब सेवा तीर्थ और कर्तव्य भवनों के निर्माण से ये खर्च कम होगा, समय बचेगा और प्रोडक्टिविटी बढ़ेगी। नरेंद्र मोदी ने कहा कि विकसित भारत की यात्रा में यह बहुत जरूरी है कि भारत गुलामी की मानसिकता से मुक्त होकर आगे बढ़े। दुर्भाग्य है कि आजादी के बाद भी हमारे यहां गुलामी के प्रतीकों को ढोया जाता रहा। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हमने गुलामी की मानसिकता को बदलने का अभियान शुरू किया। हमने वीरों के नाम पर नेशनल वॉर मेमोरियल बनाया। हमने पुलिस की वीरता को सम्मान देने के लिए पुलिस स्मारक बनाया। रेसकोर्स का नाम बदलकर लोक कल्याण मार्ग रखा गया। यह केवल नाम बदलने का निर्णय नहीं था, यह सत्ता के मिजाज को सेवा की भावना में बदलने का पवित्र प्रयास था।

# भारतीय पासपोर्ट की रैंकिंग में बड़ा सुधार, 56 देशों में बिना वीजा एंट्री

**नई दिल्ली, 13 फरवरी।** भारतीय पासपोर्ट धारकों के लिए अच्छी खबर है। Henley & Partners द्वारा जारी Henley Passport Index 2026 के ताजा अपडेट में भारत ने उल्लेखनीय प्रगति की है। पिछले वर्ष के 85वें स्थान से आगे बढ़ते हुए भारत अब 75वें पायदान पर पहुंच गया है। इस सुधार के साथ भारतीय नागरिक अब 56 देशों में वीजा-फ्री, वीजा-ऑन-अराइवल या ई-वीजा की सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। हालांकि यह अभी भी 2006 में हासिल 71वें सर्वश्रेष्ठ स्थान से थोड़ा नीचे है, लेकिन 10 स्थान की यह छलांग सकारात्मक संकेत मानी जा रही है। Henley & Partners का यह वैश्विक सूचकांक दुनिया के देशों के पासपोर्ट को उनकी यात्रा स्वतंत्रता के आधार पर रैंक करता है। इसका मुख्य पैमाना यह है कि किसी देश का नागरिक कितने गंतव्यों पर बिना पूर्व




वीजा के यात्रा कर सकता है। यह रैंकिंग इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (IATA) के डेटा पर आधारित होती है और समय-समय पर अपडेट की जाती है।

2026 की सूची में Singapore 192 देशों तक वीजा-फ्री पहुंच के साथ शीर्ष स्थान पर है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह सुधार भारत की बढ़ती अंतरराष्ट्रीय भागीदारी, द्विपक्षीय समझौतों और सक्रिय कूटनीति का परिणाम है। हालांकि यूरोप, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया जैसे कई विकसित देशों के लिए अभी भी वीजा आवश्यक है, लेकिन रैंकिंग में यह उछाल वैश्विक मंच पर भारत की साख मजबूत होने का संकेत देता है।

# हंगामेदार रहा बजट सत्र का पहला चरण, 9 मार्च तक कार्यवाही स्थगित

**नई दिल्ली, 13 फरवरी।** भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते और पूर्व सेना प्रमुख एमएम नरवणे के संस्मरण से जुड़े विवाद को लेकर कई दिनों तक चले तीखे राजनीतिक वाद-विवाद के बाद शुक्रवार को बजट सत्र का पहला चरण समाप्त हो गया। यह विवाद संसद के बाहर भी चर्चा का विषय बना रहा। लोकसभा में आज केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी के इस्तीफे की मांग को लेकर विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण प्रश्नकाल नहीं चल सका दोनों सदन अब तीन सप्ताह के अवकाश पर चले गए हैं। लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही 9 मार्च को फिर से शुरू होगी। बजट सत्र, जो 28 जनवरी को राष्ट्रपति के संसद को दिए गए संयुक्त संबोधन के साथ शुरू हुआ था, 65 दिनों में 30 बैठकों के साथ समाप्त होगा। मध्यावधि अवकाश के दौरान स्थायी समितियां विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के अनुदान अनुरोधों की जांच करेंगी। लोकसभा में दो फरवरी से राष्ट्रपति अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा शुरू हुई। धन्यवाद प्रस्ताव और इसका समर्थन करने के लिए भाजपा के दो सदस्यों के भाषण के बाद जब नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अपनी बात रखनी शुरू की तो उनकी एक टिप्पणी को लेकर सदन में हंगामा शुरू हो गया। हंगामे के कारण चर्चा नहीं हुई और न ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का इस पर जवाब हो सका। हालांकि लोकसभा में इस सप्ताह आम बजट पर चर्चा हुई और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बृहस्पतिवार को इसका जवाब दिया। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को सदन में बोलने की अनुमति नहीं देने और आठ विपक्षी सांसदों को निलंबित करने के मामले में कांग्रेस समेत विपक्षी दलों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पद से हटाने के प्रस्ताव के लिए लोकसभा महासचिव को एक नोटिस दिया है।

सूत्रों ने कहा कि नोटिस बजट सत्र के द्वितीय चरण की शुरूआत होने पर विचार के लिए सूचीबद्ध किया जा सकता है। उच्च सदन में भी 2 फरवरी से राष्ट्रपति अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा शुरू हुई। इस चर्चा का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पांच फरवरी को जवाब दिया था। राज्यसभा में नौ मार्च से आम बजट 2026-27 पर चर्चा शुरू हुई थी जिसका जवाब वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 12 फरवरी को दिया। कल ही उच्च सदन में औद्योगिक संबंध संहिता (संशोधन) विधेयक को संक्षिप्त चर्चा के बाद पारित किया गया था।

# प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में डिजिटल क्रांति का हुआ अभूतपूर्व विस्तार: सिंधिया

**नई दिल्ली, 13 फरवरी।** केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज संसद में प्रश्नों के उत्तर देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों में भारत के डिजिटल इकोसिस्टम में आए ऐतिहासिक बदलावों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि भारतनेट विश्व की सबसे महत्वाकांक्षी कनेक्टिविटी योजनाओं में से एक है, जिसका उद्देश्य देश के हर नागरिक तक सस्ती और तेज इंटरनेट सुविधा पहुँचाना है।

केन्द्रीय मंत्री ने सदन को अवगत कराया कि वर्ष 2014 में देश में 93 करोड़ मोबाइल उपभोक्ता थे, जो आज बढ़कर 120 करोड़ हो चुके हैं और मोबाइल पेनिट्रेशन 75 प्रतिशत से बढ़कर 92 प्रतिशत तक पहुँच गया है। इंटरनेट कनेक्टिविटी में भी क्रांतिकारी बदलाव आया है। इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या



2014 के 25 करोड़ से बढ़कर आज 100 करोड़ से अधिक हो गई है, और पेनिट्रेशन 20 प्रतिशत से बढ़कर लगभग 71.8 प्रतिशत तक पहुँच चुकी है। इसी तरह, ब्रॉडबैंड उपभोक्ता 6 करोड़ से बढ़कर 100 करोड़ से अधिक हो गए हैं, जबकि औसत ब्रॉडबैंड स्पीड लगभग 66 एमबीपीएस तक पहुँच चुकी है। सिंधिया ने इसे डिजिटल क्रांति बताते हुए कहा कि कनेक्टिविटी अब शहरी विशेषाधिकार नहीं रही, बल्कि ग्रामीण भारत तक पहुँचने वाला नागरिक अधिकार बन चुकी है।

सिंधिया ने बताया कि ग्रामीण ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी की प्रमुख योजना भारतनेट के तहत देश की 2.56 लाख ग्राम पंचायतों तक ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाई जा रही है। भारतनेट क और क्क के अंतर्गत लगभग ?42,000 करोड़ के निवेश से 2.14 लाख ग्राम पंचायतों को सेवा के लिए तैयार किया जा चुका है। अमेंडेड भारतनेट प्रोग्राम, जिसकी कुल लागत लगभग 16.9 बिलियन डॉलर है, आज विश्व की सबसे बड़ी ग्रामीण कनेक्टिविटी पहल बन चुका है। इसका लक्ष्य शेष क्षेत्रों को जोड़कर अंतिम छोर तक निर्बाध इंटरनेट सुविधा सुनिश्चित करना है।

उन्होंने सदन को यह भी बताया कि नेटवर्क आर्किटेक्चर को लाइन टोपोलॉजी से रिंग टोपोलॉजी मॉडल में उन्नत किया जा रहा है। इस बदलाव से यदि किसी एक दिशा से कनेक्टिविटी बाधित होती है, तो दूसरी दिशा से सेवाएँ निर्बाध जारी रहेंगी, जिससे नेटवर्क की विश्वसनीयता और अपटाइम में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

तमिलनाडु के संदर्भ में सिंधिया ने सदन को बताया कि राज्य ने भारतनेट को विशेष प्रयोजन वाहन (रढश) के माध्यम से लागू करने का विकल्प चुना। राज्य की 12,525 ग्राम पंचायतों में से 10,886 को जोड़ा जा चुका है। शेष ग्राम पंचायतों और 4,767 गैर-ग्राम पंचायत गाँवों को संशोधित भारतनेट कार्यक्रम के तहत जोड़ा जाएगा।

हालाँकि, मंत्री ने राष्ट्रीय ब्रॉडबैंड मिशन के तहत कार्यान्वयन में आ रही राइट ऑफ वे स्वीकृति में देरी जैसी चुनौतियों की ओर ध्यान दिलाया। उन्होंने बताया कि देशभर में फ्ङ्खह आवेदनों के निस्तारण का औसत समय 455 दिनों से घटकर अब मात्र 30.4 दिन रह गया है, जो वैश्विक स्तर पर एक रिकॉर्ड है। 36 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में से 33 ने फ्ङ्खह पोर्टल को लागू कर लिया है, जबकि तमिलनाडु उन तीन राज्यों में शामिल है जहाँ यह अभी लागू नहीं हुआ है।

मंत्री ने कहा कि जहाँ राष्ट्रीय औसत निस्तारण समय 30.4 दिन है, वहीं तमिलनाडु में यह 85 दिन है, जो लगभग तीन गुना अधिक है।

# बेंगलुरु के पास आपस में टकराए कई वाहन, 7 लोगों की दर्दनाक मौत

**बेंगलुरु, 13 फरवरी।** कर्नाटक के बेंगलुरु ग्रामीण जिले में शुक्रवार की सुबह एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हुआ। होसकोटे (ल्ङ्क२‘ङ्क३) के बाहरी इलाके में कई वाहनों की आपस में भिड़ंत होने से कम से कम सात लोगों की जान चली गई। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यह दुर्घटना होसकोटे-डबासपेट राष्ट्रीय राजमार्ग पर एम. सत्यवारा गांव के पास हुई।

अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार सुबह कर्नाटक के बेंगलुरु ग्रामीण जिले के होसकोटे के बाहरी इलाके में कई गाड़ियों के टकराने से कम से कम सात लोगों की जान चली गई। यह घटना होसकोटे डबासपेटे नेशनल हाईवे पर एम सत्यवारा गांव के पास हुई।

इस हादसे में एक मोटरसाइकिल, एक कार और एक कैंटर ट्रक शामिल थे। कर्नाटक पुलिस के मुताबिक, स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल



होसकोटे से देवनहल्ली जा रही थी। हालांकि, रवश ड्राइवर का कंट्रोल खो गया और उसने कार के सामने वाली मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। इससे अफरा-तफरी मच गई और एक कैंटर ट्रक भी इस हादसे में शामिल हो गया।

कर्नाटक पुलिस ने बताया कि इस टक्कर में रवश में सवार छह लोगों की मौत हो गई। मोटरसाइकिल सवार की भी मौत हो गई। हालांकि, मरने वालों की पहचान अभी तक कन्फर्म नहीं हुई है, लेकिन पुलिस का मानना है कि वे बेंगलुरु के कोथनूर के रहने वाले थे।

कर्नाटक पुलिस ने बताया कि उनके शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए होसकोटे सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है, साथ ही ऋकफ भी दर्ज कर ली गई है और अधिकारियों ने जांच शुरू कर दी है।

## मणिपुर हिंसा मामलों की निगरानी करेगा हाईकोर्ट

**मणिपुर।** सुप्रीम कोर्ट ने 2023 के मणिपुर जातीय हिंसा मामलों से संबंधित 11 एफआईआर की जांच कर रही है, दो सप्ताह के भीतर स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने यह सुझाव भी दिया कि सर्वोच्च न्यायालय के बजाय, क्षेत्राधिकार रखने वाला मणिपुर उच्च न्यायालय, जिसमें एक नए मुख्य न्यायाधीश हैं, या गुवाहाटी उच्च न्यायालय, या दोनों ही हिंसा मामलों में मुकदमों और संबंधित घटनाक्रमों की निगरानी करें। इसमें केंद्र और मणिपुर सरकारों से राज्य में जातीय हिंसा के पीड़ितों के पुनर्वास और कल्याण पर न्यायमूर्ति गीता मित्तल समिति की सिफारिशों के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने का भी आग्रह किया गया।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 982051985
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

# तनाव, आतंक और अंधकार के बीच शिव का प्रकाश



-ललित गर्ग

15 फरवरी 2026 को जब समूचा भारत महाशिवरात्रि का पावन पर्व मनाएगा, तब यह केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं होगा, बल्कि आत्मजागरण का विराट अवसर होगा। महाशिवरात्रि वह रात्रि है जब साधक अपने भीतर के अंधकार को पहचानकर शिवत्व के प्रकाश से उसे आलोकित करने का संकल्प लेता है। शिव केवल देवता नहीं, वे चेतना के शाश्वत आयाम हैं-महाकाल, जो समय से परे हैं, नटराज, जो सृष्टि की लय और ताल के अधिपति हैं और नीलकंठ, जो विष को पीकर भी अमृत का संदेश देते हैं। आज का युग विज्ञान, तकनीक और उपभोग का युग है। मानव ने अंतरिक्ष को नापा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता विकसित की, लेकिन अपने भीतर की शांति खो बैठा। तनाव, अवसाद, असंतोष, युद्ध, आतंकवाद और नैतिक विघटन की घटनाएँ विश्व को विचलित कर रही हैं। ऐसे दौर में



शिव की प्रासंगिकता और बढ़ जाती है। शिव भक्ति कोई चमत्कारिक जादू नहीं, बल्कि जीवन को संतुलित करने का वैज्ञानिक और आध्यात्मिक मार्ग है।

शिव का स्वरूप द्वंद्वों से परे है। वे संहारक भी हैं और सृजनकर्ता भी। यह संदेश आज के समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है जो जड़, जर्जर और अनैतिक है, उसका विनाश आवश्यक है ताकि नवजीवन अंकुरित हो सके। जब हम अपने भीतर के अहंकार, क्रोध, लोभ और मोह का संहार करते हैं, तभी सच्चा निर्माण संभव होता है। यही शिव का वास्तविक चमत्कार है भीतर के विष का रूपांतरण। समुद्र-मंथन की कथा केवल पौराणिक आख्यान नहीं, बल्कि मानवीय जीवन का प्रतीक है। जब संसार अमृत की खोज में लगा, तब सबसे पहले विष निकला। आज भी जब मानव प्रगति की दौड़ में है, तो साथ में प्रदूषण, हिंसा और असंतुलन का विष भी उत्पन्न हो रहा है। उस विष को कौन पियेगा? शिव का नीलकंठ रूप हमें सिखाता है कि समाज के संकट को दूर करने के लिए त्याग और सहनशीलता आवश्यक है। जब हम अपने स्तर पर कटुता को निगल लेते हैं और उसे बाहर नहीं फैलाते, तभी समाज में शांति बनी रहती है। इसी प्रकार गंगा के अवतरण की कथा बताती है कि अनियंत्रित शक्ति विनाशकारी हो सकती है। शिव ने उसे अपनी जटाओं में धारण कर संतुलित प्रवाह दिया। आज के संदर्भ में यह संदेश अत्यंत प्रासंगिक है। तकनीक, धन, सत्ता-ये सभी शक्तियाँ हैं। यदि वे अनियंत्रित हों तो विध्वंसक बनती हैं, और यदि शिव-संयम में हों तो कल्याणकारी। अतः शिव भक्ति का अर्थ है-शक्ति का संतुलन।

आधुनिक मनुष्य की सबसे बड़ी समस्या है-तनाव। प्रतिस्पर्धा, अपेक्षाएँ और असुरक्षा ने उसे अशांत बना दिया है। शिवरात्रि की रात्रि जागरण की रात्रि है, लेकिन यह बाह्य जागरण से अधिक आंतरिक जागरण है। जब साधक ह्लॐ नमः शिवायह्न का जप करता है, तो वह अपने भीतर के कंपन को संतुलित करता है। यह पंचाक्षरी मंत्र मन, प्राण और चेतना को एकाग्र करता है। वैज्ञानिक शोध भी बताते हैं कि नियमित ध्यान और मंत्रजाप से तनाव कम होता है, रक्तचाप संतुलित होता है और मानसिक स्थिरता बढ़ती है। यह शिव साधना का प्रत्यक्ष प्रभाव है। शिव पुराण में वर्णित है कि फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी की निशीथ बेला में ज्योतिर्लिंग का प्रादुर्भाव हुआ। यह ज्योति केवल पत्थर की आकृति नहीं, बल्कि अनंत प्रकाश का प्रतीक है। शिवलिंग का अर्थ है-चिह्न, जो निराकार ब्रह्म का संकेत देता है। आधुनिक मनुष्य के लिए यह बोध आवश्यक है कि ईश्वर किसी सीमित रूप में बंधा नहीं है। वह ऊर्जा है, चेतना है, जो प्रत्येक कण में विद्यमान है।

आज विश्व युद्ध और आतंकवाद की विभीषिका से जूझ रहा है। हिंसा की ज्वाला में मानवता झुलस रही है। शिव का तांडव केवल विनाश नहीं, बल्कि संतुलन का नृत्य है। जब अन्याय बढ़ता है, तब परिवर्तन अनिवार्य होता है। किंतु शिव का संदेश यह भी है कि क्रोध नहीं, करुणा से परिवर्तन संभव है। वे रुद्र हैं-दुःखों का हरण करने वाले। शिव भक्ति का चमत्कार यह है कि वह मनुष्य के भीतर करुणा, सहिष्णुता और क्षमा का विकास करती है। जब व्यक्ति बदलता है, तब समाज बदलता है और जब समाज बदलता है, तब विश्व में शांति का मार्ग प्रशस्त होता है। शिव और पार्वती का मिलन भी आधुनिक जीवन के लिए महत्वपूर्ण प्रतीक है। यह पुरुष और प्रकृति, चेतना और ऊर्जा, विचार और क्रिया का समन्वय है। आज परिवारों में विघटन, संबंधों में दूरी और जीवन में असंतुलन इसलिए है क्योंकि यह समरसता टूट रही है। शिवरात्रि हमें स्मरण कराती है कि संतुलन ही जीवन का आधार है। व्रत और उपवास का आध्यात्मिक महत्व भी आज समझने योग्य है। उपवास केवल भोजन त्याग नहीं, बल्कि इंद्रियों का संयम है। यह आत्मशुद्धि की प्रक्रिया है। जब व्यक्ति एक दिन के लिए भी भोगों से दूर रहता है, तो उसे अपनी आवश्यकताओं का पुनर्मूल्यांकन करने का अवसर मिलता है। उपभोक्तावादी संस्कृति में यह अत्यंत आवश्यक साधना है।

शिव भक्ति का सिद्ध प्रभाव उन असंख्य भक्तों के अनुभवों में दिखाई देता है, जिन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी आस्था नहीं छोड़ी। सच्चे मन से की गई प्रार्थना व्यक्ति को आंतरिक शक्ति देती है। यह शक्ति उसे संकटों से जूझने का साहस देती है। चमत्कार बाहर नहीं, भीतर घटित होता है-जब निराशा आशा में बदलती है, भय विश्वास में और अशांति शांति में। आज आवश्यकता है कि शिव को केवल मंदिरों तक सीमित न रखा जाए। वे काठ, पत्थर या मूर्ति में नहीं, बल्कि भाव में निवास करते हैं। जब हम सत्य बोलते हैं, करुणा का व्यवहार करते हैं, प्रकृति की रक्षा करते हैं, तब हम शिव की आराधना करते हैं। पर्यावरण संरक्षण भी शिव भक्ति है, क्योंकि वे कैलाशवासी योगी हैं, प्रकृति के संरक्षक हैं। जल, वायु, अग्नि और पृथ्वी के संतुलन की रक्षा करना ही शिव के प्रति सच्ची श्रद्धा है।

महाशिवरात्रि 2026 हमें यह संकल्प लेने का अवसर देती है कि हम अपने भीतर के विष को पहचानें और उसे शिवचेतना में रूपांतरित करें। हम अपने जीवन में संयम, संतुलन और साधना को स्थान दें। हम क्रोध के स्थान पर क्षमा, अहंकार के स्थान पर विनम्रता और अशांति के स्थान पर ध्यान को अपनाएं। शिवत्व की प्राप्ति कोई दूर की वस्तु नहीं, वह हमारे भीतर ही सुप्त है। आवश्यकता केवल जागरण की है। जब मनुष्य स्वयं को जीत लेता है, तभी वह सच्चे अर्थों में विजयी होता है। यही आत्मयुद्ध है, यही शिव की साधना है। इस महाशिवरात्रि पर हम सब मिलकर यह प्रार्थना करें-

हे नीलकंठ! हमारे भीतर के विष को शांत करो।
हे महाकाल! हमें समय का सदुपयोग सिखाओ।
हे शंकर! हमारे जीवन में कल्याण का संचार करो।

जब यह प्रार्थना सच्चे मन से होगी, तब निश्चित ही उसका प्रतिफल मिलेगा। क्योंकि शिव भाव के भूखे हैं। जहाँ निष्कपट श्रद्धा है, वहाँ शिव की कृपा अवश्य बरसती है। आधुनिक युग की जटिलताओं के बीच शिव भक्ति ही वह सेतु है, जो मनुष्य को स्वयं से, समाज को शांति से और विश्व को अमन से जोड़ सकती है। यही महाशिवरात्रि का सच्चा संदेश है-अंधकार से प्रकाश की ओर, अशांति से शांति की ओर, मृत्यु से अमृतत्व की ओर।

# बांग्लादेश में बदलाव, भारत पर पड़ेगा सकारात्मक प्रभाव



-संजय सक्सेना

बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार को जबरदस्ती अपदस्थ करने के बाद प्रदेश की बागडोर संभालने वाले युनुस मोहम्मद ने देश को अराजकता के दौर में पहुंचा दिया था, लेकिन लगता है कि अब बांग्लादेश का राजनीतिक परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। आम चुनाव के नतीजों के बाद यह तय है कि बांग्लादेश में अब राष्ट्रवादी दल की अगुवाई वाली नई सरकार बनने जा रही है। इस दल को विधानसभा में स्पष्ट बहुमत हासिल हो गया है। तारिक रहमान के प्रधानमंत्री बनने की संभावना प्रबल है।तारिक को उदारवादी और सभी को साथ लेकर चलने वाला नेता माना जाता है। यही वजह है कि बांग्लादेश के हिंदुओं ने भी तारिक की पार्टी के पक्ष में बढ़-चढ़कर मतदान किया था। वहीं, मौजूदा कार्यवाहक प्रधानमंत्री की भूमिका निभा रहे युनुस मोहम्मद की राजनीतिक यात्रा पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। यह बदलाव न केवल बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति को प्रभावित करेगा, बल्कि पड़ोसी देश भारत के साथ उसके संबंधों और वहां रहने वाले अल्पसंख्यक हिंदुओं की स्थिति पर भी गहरा असर डालेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि नई सरकार अल्पसंख्यक हिंदुओं के लिए सुरक्षित माहौल बना सकती है और भारत के साथ संबंधों को मजबूत करने में सकारात्मक भूमिका निभा सकती है।

बांग्लादेश के 13वें राष्ट्रीय संसदीय चुनाव में बांग्लादेश राष्ट्रवादी दल को भारी सफलता मिली है। अनौपचारिक गिनती के अनुसार, दल ने 300 सदस्यीय संसद में 175 से अधिक सीटों पर बढ़त बना ली है, जो स्पष्ट बहुमत का संकेत देता है। वहीं, इस्लामी जमात-ए-इस्लामी गठबंधन को करीब 60 से 70 सीटें मिली हैं। राष्ट्रीय नागरिक दल ने अपनी पहली कोशिश में छह सीटें जीतीं, जबकि निर्दलीय उम्मीदवारों को चार से अधिक सीटें हासिल हुईं। एक सीट पर उम्मीदवार की मौत के कारण मतदान नहीं हुआ।यह चुनाव शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद पहला है। तारिक रहमान के नेतृत्व वाले दल की जीत से राजनीतिक परिवर्तन की उम्मीद है। मतदान के दौरान नौ लोगों की मौत हुई। उम्मीद की जा रही है कि नई सरकार देश में स्थिरता लाएगी।बांग्लादेश राष्ट्रवादी दल लंबे समय से देश की राजनीति में सक्रिय रहा है। इस दल ने हमेशा लोकतांत्रिक मूल्यों और बहुलवादी समाज की वकालत की है। हाल के चुनावों में मिले बहुमत ने इस दल को सत्ता की कुंजी सौंप दी है। तारिक रहमान, जो दल के प्रमुख नेता हैं, लंदन से सक्रिय राजनीति में लौटने की तैयारी कर रहे हैं। उनकी अगुवाई में नई सरकार बनने से बांग्लादेश में स्थिरता की उम्मीद जगी है। पिछली सरकारों के दौरान अल्पसंख्यक समुदायों पर हुए अत्याचारों की घटनाओं ने समाज को आहत किया था। अब नई सरकार से उम्मीद की जा रही है कि वह हिंदू समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी।

अल्पसंख्यक हिंदू बांग्लादेश की कुल आबादी का लगभग आठ प्रतिशत हैं। वे मुख्य रूप से ग्रामीण इलाकों में रहते हैं और कृषि तथा छोटे व्यवसायों पर निर्भर हैं। हाल के वर्षों में मंदिरों पर हमले, जमीन हड़पने और हिंसा की घटनाओं ने इस समुदाय को भयभीत कर दिया था। बांग्लादेश राष्ट्रवादी दल ने चुनाव प्रचार के दौरान स्पष्ट संदेश दिया था कि अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा उनकी प्राथमिकता होगी। तारिक रहमान ने कई बार कहा है कि उनका दल सभी धर्मों के लोगों को समान अवसर देगा। नई सरकार बनने के बाद कानून व्यवस्था मजबूत करने के वादे से हिंदू समुदाय में उत्साह है।नई सरकार अल्पसंख्यकों के लिए कई कदम उठा सकती है। सबसे पहले, मंदिरों और पूजा स्थलों की सुरक्षा के लिए विशेष दस्ते गठित किए जा सकते हैं। दूसरा, जमीन संबंधी विवादों को तत्काल निपटाने के लिए अदालतों में विशेष बेंच बनाई जा सकती हैं। तीसरा, हिंदू समुदाय के युवाओं के लिए शिक्षा और रोजगार के अवसर बढ़ाए जा सकते हैं। इन कदमों से न केवल हिंदुओं का भरोसा बढ़ेगा बल्कि समाज में सद्भाव का वातावरण बनेगा। विशेषज्ञ बताते हैं कि स्थिर सरकार के आने से हिंसा की घटनाएं कम होंगी और अल्पसंख्यक समुदाय आर्थिक रूप से मजबूत होगा। उदाहरण के तौर पर, दल की पिछली सरकारों में अल्पसंख्यक कल्याण बोर्ड सक्रिय रहा था, जिसने कई योजनाएं चलाई थीं। अब ऐसी योजनाओं को नई जान मिलेगी।

भारत के साथ बांग्लादेश के संबंध हमेशा महत्वपूर्ण रहे हैं। दोनों देश सांस्कृतिक रूप से जुड़े हैं और सीमा पर व्यापार फलता-फूलता है। पिछली सरकारों के दौरान कुछ मुद्दों पर तनाव जरूर आया था, लेकिन बांग्लादेश राष्ट्रवादी दल भारत के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखता है। तारिक रहमान ने कई मौकों पर कहा है कि भारत उनका मित्र देश है और दोनों देशों को मिलकर आतंकवाद तथा जल बंटवारे जैसे मुद्दों का समाधान करना चाहिए। नई सरकार बनने से ये संबंध और मजबूत होंगे। व्यापार बढ़ेगा, सीमा पर घुसपैठ रुकेगी और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा मिलेगा।भारत बांग्लादेश को निर्यात करता है कपड़ा, दवाइयां और मशीनरी। बदले में बांग्लादेश जूट तथा सब्जियां भेजता है। नई सरकार के आने से यह व्यापार दोगुना हो सकता है। इसके अलावा, गंगा जल बंटवारे पर नए समझौते की संभावना है। दोनों देश मिलकर बाढ़ नियंत्रण परियोजनाएं चला सकते हैं। अल्पसंख्यक हिंदुओं की सुरक्षा भारत के लिए भी चिंता का विषय रही है। नई सरकार के सकारात्मक कदमों से भारत को आश्वासन मिलेगा और द्विपक्षीय संबंधों में नई गर्मी आएगी। राजनयिक सूत्रों के अनुसार, नई सरकार दिल्ली का दौरा करेगी और उच्च स्तरीय वार्ता होगी। इससे दोनों देशों के नागरिकों को लाभ होगा।

तारिक रहमान का नेतृत्व भारत के हितों के अनुकूल माना जा रहा है। वे आर्थिक सुधारों पर जोर देंगे, जो भारत के निवेश को आकर्षित करेगा। बांग्लादेश में भारतीय कंपनियां पहले से सक्रिय हैं। नई सरकार के आने से इनका विस्तार होगा। ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग बढ़ेगा। भारत बांग्लादेश को बिजली आपूर्ति करता है, इसे और बढ़ाया जा सकता है। आतंकवाद के खिलाफ दोनों देश साझा रणनीति बना सकते हैं। रोहिंग्या संकट पर भी सहमति बनेगी। कुल मिलाकर, नई सरकार से भारत को लाभ होगा।अल्पसंख्यक हिंदुओं के लिए सकारात्मक प्रभाव लंबे समय तक रहेगा। नई सरकार शिक्षा नीति में बदलाव ला सकती है, जिसमें हिंदू त्योहारों को मान्यता मिलेगी। स्वास्थ्य सेवाओं में समान पहुंच सुनिश्चित होगी। महिलाओं की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। हिंदू समुदाय के नेता उत्साहित हैं। वे कहते हैं कि अब वे बिना डर के जी सकेंगे। ग्रामीण इलाकों में विकास योजनाएं चलेंगी, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति सुधरेगी। राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि यह बदलाव बांग्लादेश के लिए वरदान साबित होगा।युनुस मोहम्मद की कार्यवाहक सरकार ने संक्रमण काल संभाला था, लेकिन स्थायी सरकार की जरूरत थी। अब तारिक रहमान के नेतृत्व में देश नई दिशा पकड़ेगा। अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और भारत से मजबूत रिश्ते इस सरकार की पहचान बनेंगे। समाज के सभी वर्गों को लाभ मिलेगा। बांग्लादेश में शांति स्थापित होगी और विकास की रफ्तार तेज होगी। भारत भी इस बदलाव का स्वागत करेगा। दोनों देश मिलकर समृद्धि के नए द्वार खोलेंगे। यह राजनीतिक मोड़ न केवल बांग्लादेश बल्कि दक्षिण एशिया के लिए सुखद संदेश है। अल्पसंख्यक हिंदुओं को न्याय मिलेगा और भारत के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध मजबूत होंगे। उम्मीद है कि नई सरकार अपने वादों पर खरी उतरेगी।

# माँ खालिदा की राह पर चले तारिक तो भारत को हो सकता है नुकसान



-अजय कुमार

बांग्लादेश की राजनीति में बेगम खालिदा जिया का नाम एक महत्वपूर्ण अध्याय रहा है। उनकी सरकार के दौरान भारत के साथ संबंधों में अक्सर तनाव की स्थिति बनी रही, जबकि उनके बेटे तारिक रहमान के नेतृत्व में आने पर ये रिश्ते या तो वैसे ही रह सकते हैं या कुछ बदलाव दिख सकते हैं। बेगम खालिदा जिया ने बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के नेतृत्व में 1991 से 1996 तथा 2001 से 2006 तक प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया। इस दौरान भारत के साथ उनके संबंधों को कई कारणों से खराब माना जाता है। सबसे पहले तो उन्होंने 1972 की भारत-बांग्लादेश मैत्री संधि को गुलामी की संधि करार दिया था, जिससे दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक समझौते पर ही सवाल उठ गए। उनकी सरकार ने चीन और पाकिस्तान के साथ गहरे संबंध बढ़ाए, खासकर 2002 में चीन के साथ बड़े रक्षा समझौते हुए, जिससे भारत ने इसे अपनी सुरक्षा के लिए खतरा माना। फरक्का बैराज को लेकर भी उन्होंने भारत की कड़ी आलोचना की और कहा कि इससे बांग्लादेश को गंगा का पानी नहीं मिल पाता। ट्रांजिट सुविधा के मुद्दे पर भी उनकी सरकार ने पूर्वोत्तर भारत को बांग्लादेश के रास्ते जाने का विरोध किया, इसे अपनी संप्रभुता से जोड़कर देखा। इसके अलावा, खालिदा जिया के शासनकाल में भारत ने आरोप लगाया कि बांग्लादेश पूर्वोत्तर के उग्रवादी गुटों को शरण दे रहा है, जिससे सीमा पर तनाव बढ़ा। हिंदू अल्पसंख्यकों पर हमलों के मामले भी बढ़े, जैसे 1992 के बाबरी मस्जिद विवाद के बाद बांग्लादेश में हिंसा भड़की, जिसमें हजारों हिंदू प्रभावित हुए। 2005 में जमात-उल-मुजाहिदीन के 500 बम धमाकों ने भी स्थिति को और बिगाड़ दिया, क्योंकि भारत ने इसे अपने खिलाफ साजिश माना। इन सबके बावजूद 2012 में खालिदा जिया ने भारत यात्रा की और तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी तथा प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह से मुलाकात की, जहां उन्होंने संबंध सुधारने की बात कही, लेकिन वापस लौटते ही उनका रुख फिर कड़ा हो गया। कुल मिलाकर, उनकी सरकार में संबंध सुलगते रहे, कोई गर्मजोशी नहीं दिखी।

इसके विपरीत, शेख हसीना की सरकार ने भारत के साथ संबंधों को मजबूत किया, लेकिन इस बार अवामी लीग को चुनाव लड़ने से रोक दिया गया था। उन्होंने 1972 की संधि का सम्मान किया और कई समझौते किए। उदाहरण के लिए, 2015 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ढाका यात्रा के दौरान भूमि सीमा समझौता हुआ, जिससे 162 छिटमहल सुलझ गए और हजारों लोगों को नागरिकता मिली। गंगा जल बंटवारे पर 1996 का समझौता हसीना ने मजबूती से लागू किया। ट्रांजिट सुविधा दी गई, जिससे पूर्वोत्तर राज्यों को लाभ हुआ। आतंकवाद के खिलाफ सहयोग बढ़ा, खासकर उग्रवादियों को सौंपने के मामले में। व्यापार बढ़ा, बांग्लादेश भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बना। कोविड महामारी में भारत ने टीके उपलब्ध कराए, जिसे हसीना ने सराहा। बुनियादी ढांचे परियोजनाओं जैसे माहेनगर रेल पुल और कुशियारा नदी पर पुल का निर्माण भारत की मदद से हुआ। सांस्कृतिक आदान-प्रदान भी बढ़ा, जैसे संयुक्त सैन्य अभ्यास और सांस्कृतिक उत्सव। इन उदाहरणों से साफ है कि हसीना काल में संबंध ऐतिहासिक रूप से मजबूत हुए।अब सवाल है कि खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान के प्रधानमंत्री बनने से संबंध कैसे होंगे। तारिक बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष हैं और मां की राजनीतिक विरासत संभाल रहे हैं। 17 साल बाद वे 2025 में बांग्लादेश लौटे, जहां उनकी लोकप्रियता बढ़ी है। तारिक का रुख भी राष्ट्रवादी है, वे भारत के खिलाफ बयानबाजी करते रहे हैं। उन्होंने पूर्वोत्तर उग्रवादियों को शरण देने के आरोपों को खारिज किया, लेकिन पाकिस्तान और चीन के प्रति नरमी दिखाई। हालांकि, हाल के वर्षों में कुछ बदलाव दिखे हैं। खालिदा जिया की हालत खराब होने और उनकी मृत्यु के बाद तारिक ही पार्टी का चेहरा हैं। वे आर्थिक विकास और लोकतंत्र पर जोर देते हैं, जिससे भारत के साथ व्यापारिक संबंध बनाए रखने की जरूरत समझते होंगे। बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था भारत पर निर्भर है, निर्यात का बड़ा हिस्सा भारत जाता है। वैश्विक दबाव में भी बदलाव संभव है। लेकिन पार्टी की विचारधारा के कारण संबंध वैसे ही तनावपूर्ण रह सकते हैं, जैसे अल्पसंख्यक सुरक्षा और सीमा विवाद पर। अगर तारिक सत्ता में आए, तो चीन-पाकिस्तान झुकाव बढ़ सकता है, जिससे भारत सतर्क होगा। फिर भी, कूटनीतिक यात्राओं से नरमी आ सकती है, जैसा 2012 में हुआ। कुल मिलाकर, पूरी तरह वैसा ही रहना मुश्किल, कुछ सकारात्मक बदलाव दिख सकते हैं यदि आर्थिक हित प्राथमिक हों।बांग्लादेश की राजनीति हमेशा भारत के लिए महत्वपूर्ण रही है। खालिदा जिया काल की खटास ने सीमा सुरक्षा और व्यापार प्रभावित किया, जबकि हसीना ने सहयोग बढ़ाया। तारिक के नेतृत्व में भविष्य अनिश्चित है, लेकिन पड़ोसी देश होने से संवाद बना रहेगा। दोनों देशों को सीखना होगा कि राजनीतिक बदलाव संबंधों को बिगड़ने न दें। लोकतंत्र की मजबूती ही समृद्धि लाएगी।

# कोचिंग संस्कृति और बच्चों की मौतें : सफलता के नाम पर असफल समाज



-प्रियंका सौरभ

- डॉ० प्रियंका सौरभ

कोटा में एक और छात्रा की आत्महत्या—यह कोई साधारण खबर नहीं है और न ही किसी एक परिवार की निजी त्रासदी भर। यह उस शिक्षा व्यवस्था, सामाजिक मानसिकता और तथाकथित ह्लसफलता मॉडलह्न पर गहरा प्रश्नचिह्न है, जिसे हमने पिछले दो दशकों में बिना सवाल किए स्वीकार कर लिया है। आत्महत्या करने वाली छात्रा कृति का सुसाइड नोट केवल व्यक्तिगत पीड़ा का दस्तावेज नहीं है, बल्कि वह एक आरोपपत्र की तरह हमारे पूरे समाज के सामने खड़ा होता है—माता-पिता, कोचिंग संस्थान, स्कूल और नीति-निमार्ता सभी इसके दायरे में आते हैं।

कृति ने अपने सुसाइड नोट में भारत सरकार और मानव संसाधन मंत्रालय से अपील की थी कि अगर वे सच में चाहते हैं कि कोई बच्चा न मरे, तो कोचिंग संस्थानों को जल्द से जल्द बंद कर देना चाहिए, क्योंकि ये संस्थान छात्रों को भीतर से खोखला कर देते हैं। यह कथन किसी क्षणिक आवेग का परिणाम नहीं था, बल्कि उस लंबे मानसिक उत्पीड़न की अभिव्यक्ति थी, जिसे आज लाखों छात्र रोज झेल रहे हैं। असली सवाल यह नहीं है कि कृति ने ऐसा क्यों लिखा, बल्कि यह है कि क्या वह गलत थी। आज भारत में कोचिंग शिक्षा का सहायक माध्यम नहीं रह गई है, बल्कि एक विशाल और मुनाफे पर आधारित उद्योग बन चुकी है। कोटा, सीकर, हैदराबाद, दिल्ली और पटना जैसे शहर एजुकेशन हब कहलाते हैं, जहाँ हर साल लाखों किशोर अपने माता-पिता के सपनों का बोझ उठाए पहुँचते हैं। इन सपनों के केंद्र में कुछ सीमित शब्द होते हैं—आईआईटी, एम्स, नीट, रैंक और सेलेक्शन। कोचिंग संस्थान बच्चों को यह यकीन दिलाते हैं कि यदि वे चयनित नहीं हुए, तो वे असफल हैं। सफलता की यह परिभाषा इतनी संकीर्ण है कि उसमें औसत छात्र के लिए कोई जगह नहीं बचती, और असफलता से उबरने की कोई मानवीय प्रक्रिया भी नहीं होती।

कृति का यह कथन कि 90+ अंक लाने वाली लड़की भी आत्महत्या कर सकती है हमारे उस भ्रम को तोड़ता है, जिसमें हम यह मान लेते हैं कि मानसिक संकट केवल कमजोर या असफल छात्रों तक सीमित है। यह सोच न सिर्फ. गलत है, बल्कि खतरनाक भी है। आज का दबाव केवल परीक्षा पास करने या अच्छे अंक लाने का नहीं रह गया है, बल्कि माता-पिता, शिक्षकों और समाज की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का बन गया है। हर बच्चा अपने भीतर एक काल्पनिक परफेक्ट स्टूडेंट की छवि ढो रहा है, जिससे वह लगातार हारता चला जाता है। ऊँचे अंक और बेहतर प्रदर्शन भी अब मानसिक शांति की गारंटी नहीं रहे, क्योंकि समस्या पढ़ाई की नहीं, बल्कि उस माहौल की है जिसमें पढ़ाई कराई जा रही है। कृति द्वारा अपनी माँ के लिए लिखी गई पंक्तियाँ इस पूरे संकट की जड़ को उजागर करती हैं। वह बताती है कि उसे विज्ञान पसंद करने के लिए मजबूर किया गया, जबकि उसकी वास्तविक रुचि अंग्रेजी साहित्य और इतिहास में थी। यह कहानी किसी एक घर तक सीमित नहीं है। यह देश के हजारों, बल्कि लाखों घरों की सच्चाई है, जहाँ बच्चे की रुचि से ज्यादा समाज की अपेक्षा मायने रखती है। माता-पिता अक्सर यह भूल जाते हैं कि बच्चा उनकी अधूरी महत्वाकांक्षाओं का विस्तार नहीं है, बल्कि एक स्वतंत्र व्यक्तित्व है। सामाजिक तुलना—कि फलाँ का बेटा डॉक्टर बन गया या फलाँ की बेटी आईआईटी में पहुँच गई—हमें इतना अंधा कर देती है कि हम बच्चों की इच्छाओं, क्षमताओं और सीमाओं को अनदेखा कर देते हैं।

कृति ने अपनी छोटी बहन को लेकर जो चेतावनी दी, वह इस सुसाइड नोट को और भी मार्मिक बना देती है। वह चाहती है कि उसकी बहन को वही पढ़ने दिया जाए, जो वह पढ़ना चाहती है, और वही बनने दिया जाए, जो वह बनना चाहती है। यह विडंबना है कि मरते समय भी वह किसी और की ज़िंदगी बचाने की कोशिश कर रही थी। यह चेतावनी केवल एक माँ के लिए नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए है, जो बच्चों को सुनने के बजाय उन पर अपने सपने थोपता है। आज के स्कूल और कोचिंग संस्थान बच्चों को गणित के सूत्र, रसायन के समीकरण और प्रतियोगी परीक्षाओं की रणनीतियाँ तो सिखा रहे हैं, लेकिन जीवन के सबसे जरूरी पाठ सिखाने में पूरी तरह असफल हो रहे हैं। वे बच्चों को यह नहीं सिखा पा रहे कि असफलता से कैसे निपटना है, मानसिक तनाव को कैसे समझना है और मदद माँगना कमजोरी नहीं है। प्रतिस्पर्धा को प्रेरणा के बजाय भय का औजार बना दिया गया है। रैंक लिस्ट, मॉक टेस्ट और लगातार तुलना बच्चों के मन में स्थायी हीनभावना भर देती है, जिससे वे खुद को केवल अंकों और चयन के चश्मे से देखने लगते हैं।

हर ऐसी मौत के बाद सरकार की ओर से औपचारिक बयान आते हैं, जाँच के आदेश दिए जाते हैं और कुछ दिनों तक बहस चलती है। इसके बाद सब कुछ फिर सामान्य हो जाता है। न कोचिंग संस्थानों के कामकाज पर सख़्त निगरानी होती है, न उनके घंटे सीमित किए जाते हैं, न मानसिक स्वास्थ्य को शिक्षा का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाता है। यदि सरकार सच में गंभीर है, तो कोचिंग उद्योग के लिए सख़्त नियमन, छात्रों के लिए सुलभ मानसिक स्वास्थ्य सहायता और स्कूल स्तर पर करियर की विविध संभावनाओं को स्वीकार करने की ठोस नीति बनानी होगी।

सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि हम सफलता को किस रूप में परिभाषित करते हैं। क्या एक अच्छा इंसान बनना, मानसिक रूप से स्वस्थ रहना और अपनी रुचि के क्षेत्र में संतुष्ट जीवन जीना सफलता नहीं है? यदि नहीं, तो हम एक ऐसी पीढ़ी तैयार कर रहे हैं जो चयनित तो होगी, लेकिन भीतर से टूटी हुई और असंतुष्ट होगी। कृति की मौत हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि कहीं हम अपने बच्चों को ज़िंदा रहते हुए ही तो नहीं मार रहे—उनकी इच्छाओं को, उनके सपनों को और उनकी स्वतंत्रता को। कृति का सुसाइड नोट केवल एक छात्रा की अंतिम अभिव्यक्ति नहीं है, बल्कि एक सामाजिक चेतावनी है। अगर अब भी हमने नहीं सुना, नहीं समझा और नहीं बदले, तो ऐसी घटनाएँ रुकने वाली नहीं हैं। सवाल यह नहीं है कि अगला बच्चा कौन होगा। असली सवाल यह है कि क्या हम अगले बच्चे को बचा पाएँगे।

# बारी बरसी खटन गया सी...

बारी बरसी खटन गया सी...ये गीत पंजाब के उस मेहनतकश का लोक गीत है, जो बारह साल परदेस में कमाकर लौटा है। हर बार उसकी झोली में कुछ नया गिफ्ट होता है , कभी लोई, कभी सितारा, कभी गहना, कभी चूल्हा-ताला। ढोल बजता है। भांगड़ा चलता है और सारा गांव, साले-बिरादरी नाच उठते हैं क्योंकि मेहनत रंग लाई है। कुछ हाथ लगा है।

अब इसी गीत की रस्म को कांग्रेस पार्टी ने राजनीति का नया मनोरंजक कायदा बना लिया है।

फर्क सिर्फ इतना है कि वहां बारह साल बाद सच में कुछ लेकर लौटा था। ये लोग रोज सुबह उठते हैं, खाली हाथ में थाल सजाते हैं, ऊपर से झूठे सबूत की चटनी परोसते हैं, और ढोल बजवा देते हैं₹. और अब डांस करेंगे सारे के सारे!

बारी बरसी खटन गया सी।

हर चुनाव, हर प्रेस कॉन्फ्रेंस, हर बजट सत्र, यही क्रम है। हाथ में कुछ ठोस नहीं मगर उल्लास ऐसा मानो पूरी दिल्ली जीत ली हो। राफेल डील, आई, देखी, डांस हुआ। सुप्रीम कोर्ट बैठा, उड़क बैठी, एऊ बैठी, सबने कहा, कुछ नहीं मगर इनकी थिरकन अभी थमी नहीं। अब राफेल आसमान में उड़ते हैं और ये जमीन पर वही स्टेप्स दोहराते हैं। असल ज़िंदगी में रीप्ले नहीं मिलता पर यहाँ तो हर साल रीमिक्स है।

चौकीदार चोर है, क्या पंचलाइन



थी! इतनी जोरदार कि पार्टी कार्यकर्ता झूम उठे। मगर सबूत? वो तो बाद में देखेंगे, पहले डांस। अब सात साल हो गए। अदालत ने कहा, सबूत नहीं मिला। जाँच एजेंसी ने कहा सबूत नहीं मिला। पर ये कहते हैं ₹हमें तो अब भी यकीन है। ईवीएम और वोट चोरी , चुनाव हारो, तुरंत मशीन पर ठुमका लगाओ । कभी बैटरी बदली, कभी हैकिंग, कभी हनुमान चालीसा। मगर जब पूछो कि पंजाब, तेलंगाना, हिमाचल में तुम जीते कैसे? तब मशीन ठीक थी या उसमें भी भगवान का चमत्कार? सवाल सुनते ही डांस और तेज क्योंकि यह सवालों के जवाब का नहीं, जश्न का मौका है। संविधान की प्रति, लाल किताब हाथ में, आँखों में नमी, होंठों पर गांधी, मन में नेहरू, और जेब में... खैर। संविधान बचाओ, लोकतंत्र बचाओ, देश बचाओ। तीनों थाली में सजे, वही ठुमके पर संविधान पढ़ने का वक्त कहाँ? जब तक अनुच्छेद पढ़ोगे, तब तक कोई और डांस शुरू हो जाएगा।

नरवडे जी की अप्रकाशित पुस्तक, ये तो कमाल है। अप्रकाशित। यानी अभी छपी नहीं। किसी ने पढ़ी नहीं। उसमें है क्या, पता नहीं मगर प्रेस कॉन्फ्रेंस हो चुकी, आरोप लग चुके, डांस शुरू हो चुका। फेक कापी हवा में लहरा कर डांस किया जा चुका । साहित्य जगत में किताब छपने पर चर्चा होती है, यहाँ किताब छपने से पहले ही चर्चा, आरोप, और भांगड़ा , सब एक साथ। अमेरिका से डील, अब ये तो सबसे ताजा एंट्री है। डील में हुआ क्या, पता नहीं। किसने की, कैसे की, कितने में की , बारीक अध्ययन, , विवेचन, जानकारी शून्य है मगर आरोप हवा में हैं, अडानी और अंबानी को उछाल कर, हवा हवाई डांस चल रहा है। इतनी ऊर्जा है, कि पावर परचेज के टाई-अप करना चाहिए। अब सवाल यह नहीं कि इन मुद्दों में दम है या नहीं। सवाल यह है कि जब हर बार थाल खाली निकलती है तो फिर भी ढोल क्यों बजता है?

भेड़िया आया भेड़िया आया, आखिर कब तक?

लकड़ी की हांडी कितनी बार चढ सकती है?

क्योंकि अब आरोप कोई बहस नहीं, रस्म बन गए है और रस्में सबूतों की मोहताज नहीं होतीं।

राफेल झूठा, चौकीदार सच्चा, फिर भी नारा वही।

ईवीएम सही, वोट सुरक्षित, फिर भी चीख वही।

किताब अप्रकाशित, आरोप प्रकाशित, फिर भी थिरकन वही।

बारी बरसी खटन गया सी।

हर बार खाली हाथ,पर हर बार पूरा उल्लास।

सारी दुनिया देख लई, माँ तेरे जेहा न कोई।

-विवेक रंजन श्रीवास्तव

## कोकियो कैमलिन के एचआर हेड अजित राणे की माताजी का निधन

**पालघर(उत्तरशक्ति)।** कोकियो कैमलिन कंपनी के एचआर हेड अजित राणे की माताजी शुभांगी शरद राणे का शुक्रवार 13 फरवरी 2026 को शाम 4 बजे अल्प बीमारी के कारण 82 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निधन से राणे परिवार में शोक की लहर दौड़ गई है।

स्वर्गीय शुभांगी शरद राणे का अंतिम संस्कार उनके मूल गांव नांदगांव में धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर अजित राणे, अतुल राणे सहित राणे परिवार के सभी सदस्य उपस्थित थे। अजित राणे की माताजी के निधन पर कंपनी परिवार, समाजसेवियों, पत्रकारों और विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य व्यक्तियों ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। सभी ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने तथा शोकाकुल परिवार को इस दुख की घड़ी में सबल एवं धैर्य प्रदान करने की प्रार्थना की।

## द बॉडी शॉप की वैलेंटाइन कलेक्शन पेश

**मुंबई।** इस वैलेंटाइन डे पर पारंपरिक गिफ्ट्स से आगे बढ़ते हुए, द बॉडी शॉप ने पर्सनल, थॉटफुल और खूबसूरती से पैक किए गए गिफ्ट विकल्पों की विशेष श्रृंखला लॉन्च की है। ब्रांड ने इस अवसर के लिए खासतौर पर तैयार किए गए रेडी-टू-गिफ्ट बॉक्स और क्रिएट योर ओन कस्टमाइजेशन विकल्प पेश किए हैं, जो गिफ्टिंग को आसान, सुविधाजनक और यादगार अनुभव बनाते हैं। ब्रांड की वैलेंटाइन रेंज में रेडी-टू-गिफ्ट सेट्स शामिल हैं। बेरी लविंग गिफ्ट सेट में स्ट्रॉबेरी खुशबू वाला शावर जेल, बॉडी योगर्ट और बॉडी मिस्ट शामिल हैं। वहीं क्यूपिड अप्रूव्ड ब्रिटिश रोज गिफ्ट सेट में शावर जेल, बॉडी बटर और हैंड क्रीम दी गई है। दोनों सेट्स को दोबारा उपयोग योग्य फेस्टिव पैकेजिंग में पेश किया गया है। इस सीजन में पुरानी यादों और बोल्ड टच लाने वाली खास बात है ड्यूबेरी रेंज की वापसी। दुनिया भर में आइकॉनिक यह रेंज अब गिफ्ट बॉक्स और अलग-अलग प्रोडक्ट्स के रूप में उपलब्ध है। इसकी रिच, फ्रूटी खुशबू वैलेंटाइन गिफ्टिंग में मस्ती और जिंदादिल अहसास जोड़ती है। इसके अलावा, ब्रांड ने नया टोबैको फ्लावर बॉडी मिस्ट और टोबैको फ्लावर ईऊ डी टॉयलेट भी लॉन्च किया है। ग्राहकों के लिए क्रिएट योर ओन गिफ्ट बॉक्स विकल्प भी उपलब्ध है, जिसके तहत वे अपनी पसंद के बाथ, बॉडी और फ्रेग्रेंस उत्पाद चुनकर कस्टमाइज्ड गिफ्ट तैयार कर सकते हैं। विशेष रूप से तैयार किये गये गिफ्ट बॉक्स, पर्सनलाइज्ड क्रिएट योर ओन विकल्प, आइकॉनिक ड्यूबेरी रेंज की वापसी और नए टोबैको फ्लावर बॉडी मिस्ट और ईउ डे टॉयलेट के लॉन्च के साथ, द बॉडी शॉप इस वैलेंटाइन डे पर आसान, थॉटफुल और यादगार गिफ्टिंग के शानदार विकल्प दे रहा है न सिर्फ 14 फरवरी के लिए, बल्कि इसके बाद भी आप इनका आनंद उठा सकते हैं।

## रिनैंसा ग्लोबल को तीसरी तिमाही में रिकॉर्ड मुनाफा

**मुंबई।** वैश्विक आभूषण बाजार की अग्रणी कंपनी 'रिनैंसा ग्लोबल लिमिटेड' ने वित्त वर्ष २०२६ की तीसरी तिमाही में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए कॉर्पोरेट जगत में हलचल मचा दी है। कंपनी ने अपने पुराने व्यवसाय के स्वरूप को बदलकर 'ब्रांडेड डायरेक्ट-टू-कंज्यूमर' मॉडल पर ध्यान केंद्रित करने के कारण यह ऐतिहासिक मुकाम हासिल किया है। चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में कंपनी का राजस्व ९६२.४२ करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जो पिछली तिमाही की तुलना में ७६.२५ प्रतिशत की भारी वृद्धि दर्शाता है। राजस्व के साथ-साथ कंपनी की लाभप्रदता में भी बड़ा सुधार हुआ है। रिनैंसा ग्लोबल का 'एबिटा' ४९.४२ प्रतिशत बढ़कर ६०.७१ करोड़ रुपये रहा, जबकि शुद्ध लाभ ३३.२१ करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों की बात करें तो कंपनी ने २,०३९.६२ करोड़ रुपये का कारोबार किया है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के १,५६६.५८ करोड़ रुपये की तुलना में काफी अधिक है। विशेष रूप से अमेरिकी बाजार में 'जीन डूसेट' जैसे प्रीमियम ब्रांड को मिल रही जबरदस्त प्रतिक्रिया और लैब-ग्रोन डायमंड्स की बढ़ती मांग के कारण कंपनी के मार्जिन में बड़ी बढ़ोतरी हुई है। इस सफलता पर टिप्पणी करते हुए कंपनी के अध्यक्ष और ग्लोबल सीईओ सुमित शाह ने कहा, ₹रिनैंसा ग्लोबल अब केवल एक 'इ२इ' निर्यातक नहीं रह गई है, बल्कि एक ग्राहक-केंद्रित लक्जरी प्लेटफॉर्म के रूप में उभरी है। कंपनी द्वारा चलाए गए लागत कटौती कार्यक्रम से सालाना ४० से ५० करोड़ रुपये की बचत हो रही है, जिसका सीधा असर मुनाफे में दिखाई दे रहा है। आने वाले समय में 'जीन डूसेट' ब्रांड के स्टोर्स की संख्या पांच तक ले जाने का कंपनी का इरादा है, और मध्यम अवधि में 'रिटर्न ऑन इक्विटी' और 'रिटर्न ऑन कैपिटल एम्प्लॉयड' को २५ प्रतिशत के आसपास ले जाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य प्रबंधन ने रखा है।₹ इस शानदार प्रदर्शन के कारण शेयर बाजार के निवेशकों का ध्यान भी इस मिड-कैप ज्वेलरी कंपनी की ओर आकर्षित हुआ है। अर्बन को-ऑपरेटिव बैंकों ने क्रेडिट में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाई, पांच साल में आउटस्टैंडिंग बैलेंस लगभग दोगुना हुआ। क्रेडिट में आठ प्रोडक्ट्स का योगदान 83% है, जिसमें कमर्शियल लोन की हिस्सेदारी सबसे ज्यादा (30%) है।

## पोर्टफोलियो का बढ़ना रिटेल और छोटे बिजनेस एक्टिविटी में बढ़ोतरी को दिखाता है, साथ ही एसेट-क्वालिटी मेट्रिक्स में भी सुधार हो रहा है

**मुंबई।** अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक भारत के क्रेडिट इकोसिस्टम में अपनी स्थिति लगातार मजबूत कर रहे हैं। उनके बैलेंस शीट में निरंतर वृद्धि दर्ज की गई है, एसेट क्वालिटी में सुधार हुआ है, और रिटेल तथा छोटे बिजनेस, दोनों सेगमेंट में मांग लगातार बढ़ रही है। नेशनल अर्बन कोऑपरेटिव फाइनेंस एंड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड और ट्रांसयूनियन सिबिल के जॉइंट पब्लिकेशन, सहकार ट्रेंड्स के अनुसार सितंबर 2025 तक UCBs का आउटस्टैंडिंग क्रेडिट बैलेंस 3.4 लाख करोड़ रहा, जो पिछले पांच साल में लगभग 1.9 गुना बढ़ गया है।

हालांकि यूसीबी का कुल इंडस्ट्री क्रेडिट में हिस्सा अभी भी लगभग 1.8% के आसपास सीमित है, लेकिन आंकड़े संकेत देते हैं कि यह सेक्टर बदलती उधारकर्ता प्रोफाइल, प्रतिस्पर्धी परिस्थितियों तथा नियामकीय अपेक्षाओं के अनुरूप खुद को ढालते हुए तेजी से आगे बढ़ रहा है। ट्रांसयूनियन सिबिल के MD एवं CEO, श्री भावेश जैन ने कहा, UCBs भारत के व्यापक हिस्सों तक अपनी पहुंच बढ़ा रहे हैं और बड़े शहरी केंद्रों से आगे बढ़कर अर्ध-शहरी और उभरते क्षेत्रों में घरों तथा छोटे व्यवसायों को फॉर्मल क्रेडिट उपलब्ध करा रहे हैं। कम्युनिटीज के नजदीक होने के कारण, ये बैंक ऐसे ग्राहकों को लोन दे पाते हैं जहाँ लोकल कॉन्टेक्स्ट और रिश्ते मायने रखते हैं। इससे भारत के ज्यादा-से-ज्यादा लोगों को फॉर्मल क्रेडिट सिस्टम से जोड़ने में मदद मिल रही है। जैसे-जैसे ये बैंक रिटेल और छोटे व्यवसाय ऋण में अपनी पहुंच बढ़ा रहे हैं, वैसे-वैसे क्रेडिट क्वालिटी बनाए रखते हुए वित्तीय पहुंच का विस्तार करना उनकी एक अहम भूमिका बनता जा रहा है।

# पालघर सरस बिक्री व प्रदर्शनी तथा ग्लोबल कोकण महोत्सव की तैयारी जोरों पर शुरू

**पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)।** जिला ग्रामीण विकास यंत्रणा, पालघर द्वारा आयोजित पालघर ह्यसरसह्न बिक्री एवं प्रदर्शनी तथा ग्लोबल कोकण महोत्सव के भव्य आयोजन की पृष्ठभूमि में शुक्रवार 12 फरवरी 2026 को जिला मुख्यालय में स्थित जिला परिषद पालघर कार्यालय में आयोजित सरपंच परिषद तथा पत्रकार परिषद उत्साहपूर्वक संपन्न हो गई। उक्त भव्य आयोजन 18 से 22 फरवरी 2026 के बीच शिरगांव बीच, पालघर में आयोजित किया जायेगा।

प्रेस वार्ता में अधिकारियों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार पालघर सरस बिक्री एवं प्रदर्शनी में जिले के लगभग 100 महिला स्वयं सहायता समूह भाग लेंगे। इस प्रदर्शनी में महिला बचत समूहों द्वारा निर्मित हस्तशिल्प वस्तुएं, घरेलू उपयोग की सामग्री, पारंपरिक उत्पाद तथा स्वादिष्ट खाद्य पदार्थों की बिक्री व प्रदर्शनी की जायेगी। ग्रामीण महिलाओं के उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराना और उनके आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देना इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य है। सरपंच परिषद में शिरगांव, सातनपाटी, केलवे, माहिम, सफाले, एडवन, बोईसर, उमरोली, मनोर, नांदगांव व तारापुर ग्राम पंचायतों से महोत्सव की सफलता के लिए सक्रिय सहयोग का आह्वान किया गया। प्रचार-प्रसार, स्वच्छता, जल आपूर्ति, यातायात व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं के लिए समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए गये। मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने प्रत्येक ग्राम पंचायत को निर्धारित जिम्मेदारियां सौंपते हुए

### महोत्सव के मद्देनजर सरपंच परिषद व पत्रकार परिषद आयोजित

उन्हें प्रभावी ढंग से निभाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत, प्रशासन और नागरिकों के बीच समन्वय ही इस महोत्सव की सफलता की आधार स्तंभ है। पत्रकार परिषद में कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी गई और मीडिया से व्यापक प्रचार-प्रसार करने का अनुरोध किया गया।

ग्रामीण महिलाओं की प्रतिभा को उचित मंच प्रदान करने में मीडिया की भूमिका महत्वपूर्ण बताई गई। ग्लोबल कोकण महोत्सव के आयोजक संजय यादवराव ने कहा कि यह महोत्सव कोकण की कला, संस्कृति, उत्पादों एवं महिला बचत समूहों की उपलब्धियों को व्यापक मंच प्रदान करेगा। उन्होंने सभी ग्राम पंचायतों व नागरिकों से इस आयोजन में हिस्सा लेकर इस उपक्रम को भव्य बनाने का आह्वान किया।

वसई-विरार महानगरपालिका के पूर्व महापौर राजीव पाटील ने भी ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए ऐसे आयोजनों के महत्व पर जोर देते हुए नागरिकों से बड़ी संख्या में उपस्थित रहकर महिला बचत समूहों के उत्पादों को प्रोत्साहन देने की अपील की। सरपंच परिषद तथा पत्रकार परिषद के माध्यम से पालघर सरस बिक्री एवं प्रदर्शनी तथा ग्लोबल कोकण महोत्सव के आयोजन को नई गति मिलेगी तथा प्रशासन, ग्राम पंचायतों, जनप्रतिनिधियों एवं मीडिया के संयुक्त प्रयासों से यह आयोजन सफल होने का प्रशासन की ओर से विश्वास व्यक्त किया गया। इस अवसर पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रविंद्र शिंदे, जिला ग्रामीण विकास यंत्रणा की परियोजना संचालिका डॉ. रूपाली सातपुते, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (पंचायत) अशोक पाटील, ग्लोबल कोकण महोत्सव के आयोजक संजय यादवराव तथा वसई-विरार महानगरपालिका के पूर्व महापौर राजीव पाटील प्रमुख रूप से उपस्थित थे। संबंधित ग्राम पंचायतों के सरपंच, ग्राम पंचायत अधिकारी एवं बड़ी संख्या में पत्रकार बंधु मौजूद रहे।

## अवैध रेती खनन कार्रवाई में पोकलेन व डंपर जब्त के साथ 1523 ब्रास रेती सीज

**भिवंडी (उत्तरशक्ति)।** भिवंडी तालुका के काल्हेर क्षेत्र में अवैध रेत खनन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई है। ठाणे जिला कलेक्टर के आदेश पर भिवंडी के उपविभागीय अधिकारी अमित सानप तथा तहसीलदार अभिजीत खोले के मार्गदर्शन में राजस्व विभाग की टीम ने छापा मारते हुए रेत खनन में इस्तेमाल किए जा रहे एक पोकलेन मशीन और एक डंपर को जब्त किया है। इस कार्रवाई में कुल 1523 ब्रास रेती भंडार सीज किया गया। तहसीलदार अभिजीत खोले द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, सहायक राजस्व अधिकारी (विजिलेंस) दल क्रमांक 1 एवं 2 ठाणे, मंडल अधिकारी खारबाव, ग्राम राजस्व अधिकारी काल्हेर, कोपर व खारबाव तथा राजस्व सेवक काल्हेर की संयुक्त टीम ने 12 फरवरी को दोपहर 3 बजे मौजे काल्हेर, सर्वे नंबर 114 के अंतर्गत खाड़ी के किनारे यह कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान अवैध रूप से रेती का परिवहन कर रहे एक हाइवा डंपर और एक पोकलेन मशीन जब्त की गई। इसके बाद संबंधित आरोपियों के खिलाफ नारपोली पुलिस थाना में मामला दर्ज किया गया है।

# ट्रैफिक पुलिस का समाजसेवियों ने किया सम्मान, सड़क सुरक्षा को लेकर चलाया जागरूकता अभियान

**पालघर(उत्तरशक्ति)।** जिले के औद्योगिक नगरी बोईसर शहर, तारापुर एमआईडीसी और आसपास के क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था संभाल रहे ट्रैफिक पुलिस अधिकारियों व जवानों को आयुष्य जनसेवा फाउंडेशन की ओर से सम्मानित किया गया। इस सम्मान समारोह का उद्देश्य सड़क सुरक्षा के लिए दिन-रात सेवा दे रहे पुलिस कर्मियों का मनोबल बढ़ाना और उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना रहा।

इस अवसर पर ट्रैफिक पुलिस के उपनिरीक्षक संदीप नागरे ने बोलते हुए कहा कि बढ़ते वाहनों एवं भीड़भाड़ के बीच यातायात नियमों का कड़ाई से पालन कराना एक बड़ी चुनौती है, लेकिन नागरिकों के सहयोग से व्यवस्था को बेहतर बनाया जा सकता है। उन्होंने आम जनता से हेलमेट, सीटबेल्ट और ट्रैफिक संकेतों का पालन करने की अपील की।

फाउंडेशन के अध्यक्ष आर. बी. सिंह ने बताया कि संस्था स्वास्थ्य व सामाजिक

जागरूकता को लेकर लगातार अभियान चला रही है। कार्यक्रम के दौरान पुलिस कर्मियों को वायु प्रदूषण और पेट्रोल-डीजल के धुएं से होने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई, साथ ही नियमित स्वास्थ्य जांच कराने और मास्क के उपयोग पर जोर दिया गया। समारोह में बजरंग दल के जिला संयोजक कुंदन सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता डी. पी. सिंह, हिंदू जागृति संस्था के अध्यक्ष रवी सिंह, एडवोकेट कृष्णा दुबे, ए. पी. सिंह, राकेश बिंद व रमाकांत पुजारी सहित कई गणमान्य नागरिक तथा पुलिसकर्मी उपस्थित रहे। सभी ने ट्रैफिक पुलिस की सेवा भावना की सराहना करते हुए सड़क सुरक्षा के लिए सामूहिक जिम्मेदारी निभाने का संकल्प दोहराया।

## शिवसेना गुट नेता पद पर मनोज काटेकर की नियुक्ति से शुभचिंतकों द्वारा किया जा रहा सत्कार

**आचार्य सूरजपाल यादव**

**भिवंडी (उत्तरशक्ति)।** भिवंडी महानगरपालिका चुनाव के नतीजे घोषित होने के पूरे 28 दिन बाद शिवसेना शिंदे गुट ने कोकण विभागीय आयुक्त कार्यालय में अपने 12 सदस्यों के गुट का पंजीकरण कराया है। इसी के साथ वरिष्ठ नगरसेवक मनोज काटेकर को गुट नेता नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति पार्टी प्रमुख एवं उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के आदेश से की गई है। महानगरपालिका चुनाव में शिंदे गुट के कुल 12 सदस्य निर्वाचित हुए हैं। महापौर पद के चुनाव को लेकर सभी राजनीतिक दलों में जोड़-तोड़ की राजनीति तेज हो गई है। बीते दो

दिनों में शिंदे गुट की गतिविधियों में भी तेजी देखी गई है। इस बीच समाजवादी पार्टी के विधायक रईस शेख द्वारा कांग्रेस को हाइजैक किए जाने की चर्चा के चलते समाजवादी पार्टी सहित अन्य स्थानीय राजनीतिक दलों के नेताओं में नाराजगी फैलने की बात कही जा रही है। माना जा रहा है कि इस राजनीतिक असंतोष का लाभ शिंदे गुट उठाने की तैयारी में है। हालांकि, इस पूरे घटनाक्रम में कांग्रेस पार्टी और भारतीय जनता पार्टी की भूमिका क्या रहती है, यह देखना बेहद अहम होगा।

## गीतम में प्रसिद्ध अर्थशास्त्री रथिन रॉय 'ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेस' विभाग के प्रमुख नियुक्त

**मुंबई।** गीतम (मानित विश्वविद्यालय) ने प्रोफेसर रथिन रॉय को 'स्कूल ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेस' का डीन नियुक्त किया है। प्रोफेसर रॉय भारत के वरिष्ठ सार्वजनिक वित्त अर्थशास्त्री हैं, जिनके पास राजकोषीय नीति, व्यापक आर्थिक शासन और संस्थागत सुधारों में तीन दशकों से अधिक का अनुभव है। उन्होंने भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के अधीन 'नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनेंस एंड पॉलिसी' के निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में अपनी सेवाएँ दी हैं। इसके बाद, उन्होंने लंदन स्थित वैश्विक नीति थिंक टैंक 'ओवरसीज डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट' का नेतृत्व किया। उनके करियर में न्यूयॉर्क, बैंकॉक और ब्रासीलिया में संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के साथ वरिष्ठ कार्यभार भी शामिल हैं। उन्होंने भारत के 13वें वित्त आयोग में संयुक्त सचिव के स्तर पर आर्थिक सलाहकार के रूप में कार्य किया, जहाँ उन्होंने राजकोषीय संघवाद और सार्वजनिक व्यय ढांचे में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वह मैनचेस्टर विश्वविद्यालय और लंदन विश्वविद्यालय में अध्यापन कर चुके हैं। उन्होंने कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में पीएचडी और एम.फिल., जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से एम.ए. और सेंट स्टीफंस कॉलेज से बी.ए. की उपाधि प्राप्त की है। उनकी यह नियुक्ति गीतम के विकास के एक निर्णायक चरण में इसके बौद्धिक आधार को और मजबूती प्रदान करती है। जैसे-जैसे यह विश्वविद्यालय ज्ञान और सत्यनिष्ठा पर आधारित एक बहु-विषयक और अनुसंधान-प्रधान संस्थान बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, यह उन विषयों में अपने नेतृत्व को सशक्त कर रहा है जो राज्य की क्षमता, संस्थागत संरचना और सार्वजनिक तर्कशक्ति को आकार देते हैं। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए 'मानविकी और सामाजिक विज्ञान' कोई गौण विषय नहीं हैं, बल्कि ये इसकी नींव हैं।यह स्कूल अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, मनोविज्ञान और संबंधित क्षेत्रों का केंद्र है।

## परीक्षाओं के इस मौसम में घाटकोपर पश्चिम में स्कूल के सामने सड़क खोदे जाने से छात्रों की दिक्कतें बढ़ी

### रिपब्लिकन पार्टी ने जल्द से जल्द सड़क बनाने की मांग की

**मुंबई (उत्तरशक्ति)।** परीक्षाओं के इस मौसम में घाटकोपर पश्चिम के नॉर्थ बॉम्बे सोसाइटी के पास एस आई एस डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम स्कूल के सामने सड़क खोदने के कारण छात्रों, अभिभावकों और वहां रहने वाले स्थानीय लोगों को आने जाने में काफी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। सड़क खोदे जाने से दुर्घटना की आशंका भी बढ़ गई है। मिली जानकारी के अनुसार मुंबई मनपा ने सड़क की मरम्मत के लिए यह सड़क खोदी है और सड़क मरम्मत का कार्य कछुवारुपी चाल से हो रहा है। जबकि वर्तमान समय में 12th की परीक्षा चल रही है और 10 वीं की परीक्षा 20 फरवरी से शुरू होगी। बताया जाता है कि इस स्कूल मे परीक्षा देने के लिए बड़ी संख्या में छात्र आते हैं। जिसके कारण छात्रों व अभिभावकों को हो रही परेशानी को

देखते हुए विद्यार्थी विकास संघ के अध्यक्ष और रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के मीडिया प्रभारी हेमंत रणपिसे ने मांग की है कि मुंबई मनपा स्कूल के सामने की इस सड़क की मरम्मत जल्द से जल्द करे। हेमंत रणपिसे के अनुसार घाटकोपर वेस्ट में स्थित डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम स्कूल (जिसे पहले नॉर्थ बॉम्बे हाई स्कूल के नाम से जाना जाता था) के सामने की इकलौती सड़क पूरी तरह से खोद दी गई है, जिससे वहां रहने वालों के चलने के लिए कोई जगह नहीं बची है। सड़क के किनारे चलने वाले सीनियर सिटिजन, स्टूडेंट और महिलाओं को गिरने का खतरा है। जिसके कारण सड़क की मरम्मत जल्द से जल्द किए जाने की मांग एन वार्ड के सहायक आयुक्त से रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के मीडिया प्रभारी हेमंत रणपिसे ने की है।

## अजित पवार विमान हादसा नहीं साजिश, भतीजे रोहित पवार ने उठाए वीएसआर कंपनी पर सवाल

**मुंबई।** राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के विधायक रोहित पवार ने बुधवार को अपने चाचा अजित पवार के विमान हादसे से जुड़े हालातों पर फिर से संदेह जताया और इसे साजिश बताया। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने विमानन कंपनी पर सवाल उठाए। एरो कंपनी के संचालक मनोज पवार का हवाला देते हुए एनसीपी (एसपी) नेता ने संकेत दिया कि विमान हादसा बारामती में कम दृश्यता के कारण नहीं हुआ था।

रोहित पवार ने कहा अजित पवार महाराष्ट्र के एक बड़े राजनीतिक नेता थे। महाराष्ट्र के लोगों को उनके विमान हादसे पर संदेह है। हमने पिछले 13 दिनों में अपने सूत्रों के आधार पर कुछ जानकारी जुटाई है। हम इस मामले को लेकर भावुक हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मनोज पवार एरो कंपनी के संचालक हैं। उन्होंने आगे कहा कि मनोज पवार ने अजित दादा के सहायक कर्मचारियों, महाराष्ट्र विमानन निदेशक और पायलट सहित एक समूह में कहा कि दृश्यता ठीक है। वीएसआर के मालिक विजय कुमार सिंह ने कहा, 'विमान का रखरखाव

ठीक था, पायलट अनुभवी थे और दुर्घटना संभवतः दृश्यता की समस्या के कारण हुई।' इस बयान में कुछ गड़बड़ है।

पवार ने मांग की कि जांच एजेंसियां तकनीकी लॉग और अन्य दस्तावेजों की समीक्षा करें ताकि उड़ान से पहले उन पर हस्ताक्षर करने वाले अधिकारियों की पहचान की जा सके। उन्होंने आगे कहा कि एक स्थानीय व्यक्ति ने कहा, 'दादा को ले जा रहे विमान से एक अलग तरह की आवाज आ रही थी और वह नीची उड़ान भर रहा था।' जब विमान स्टॉल हुआ, तो स्टॉल मैन्युअल भी हो सकता है, या कोई यांत्रिक खराबी हो सकती है। पायलट या किसी भी व्यक्ति की यही प्रतिक्रिया होती, जैसा कि पायलट पाठक की थी। विमान का रखरखाव प्रतिदिन करना होता है। तकनीकी लॉग पर किसने हस्ताक्षर किए? हम मांग करते हैं कि जांच के दौरान दस्तावेजों की जांच की जाए।

उन्होंने बारामती में इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम (आईएलएस) की कमी को भी उजागर किया और कहा कि 2023 में इसी तरह की विमान दुर्घटना की जांच समय पर की जानी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि 2023 में मुंबई में हुए विमान हादसे से पता चलता है कि रनवे समतल था। बारामती में आईएलएस (इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम) नहीं है; मुंबई में आईएलएस होने के बावजूद भी विमान दुर्घटना हुई। आईएलएस न होने पर दुर्घटना की संभावना बढ़ जाती है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

# नियुक्तियों और बिगड़ती कानून-व्यवस्था पर बरसीं डॉ.रागिनी सोनकर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश लखनऊ विधानसभा के बजट सत्र के दौरान मछलीशहर जौनपुर से विधायक डॉ. रागिनी सोनकर ने सरकार को युवाओं के रोजगार और प्रदेश की कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर जमकर घेरा। उन्होंने सदन में नियम 56 के अंतर्गत बोलते हुए सरकार की निष्पक्षता और पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े किए।

**नियुक्ति प्रक्रिया में धांधली और युवाओं का दर्द:** सरकारी नियुक्तियों में हो रही देरी और विसंगतियों पर डॉ. सोनकर ने बेहद भावुक और तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा आज उत्तर प्रदेश का शिक्षित युवा अवसाद में है। नियुक्तियां न होने के कारण युवाओं की शादियाँ नहीं हो पा रही हैं। वह न ठीक से सो पा रहा है, न रो पा रहा है। रोजगार केवल रिक्त पद भरना नहीं, बल्कि युवाओं के सपनों का आधार है।

उन्होंने लोक सेवा आयोग (UPPSC) सहित अन्य विभागों में हुई नियुक्तियों में आरक्षण रोस्टर और संवैधानिक प्रावधानों के उल्लंघन का आरोप लगाया। उन्होंने मांग की कि सरकार विगत वर्षों की

**कहा- युवा न सो पा रहा है और न रो पा रहा है, शादियाँ तक रुकीं**

नियुक्तियों का विवरण सदन के पटल पर रखे और एक ऐसी स्पष्ट नीति बनाए जहाँ 'सिफारिश' नहीं, बल्कि 'योग्यता' को सम्मान मिले।

**प्रयागराज कांड और 'फर्जी एनकाउंटर' पर सरकार को घेरा:** डॉ. सोनकर ने प्रदेश की कानून-व्यवस्था को विफल बताते हुए प्रयागराज के खटिक समाज के चार नाबालिग बच्चों (करन, प्रिंस, प्रतीक और प्रियांशु) की संदिग्ध मृत्यु का मामला उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस इसे साधारण डूबने का मामला बताकर रफा-दफा करना चाहती है, जबकि यह एक गंभीर साजिश है। इसके साथ ही, उन्होंने पप्पू सोनकर और अरविंद सोनकर के मामले का जिक्र करते हुए इसे 'कथित फर्जी एनकाउंटर' करार दिया। उन्होंने कहा कि 26 जनवरी को हिरासत में लेने के बाद 28 जनवरी को गोली मारना मानवाधिकारों का हनन है। मृतक के परिजनों को 50-50 लाख रुपये का मुआवजा, जमीन का पट्टा और आवास दिया जाए।

# पीयू के इनक्यूबेटी हीथोक्स को फाइजर से 60 लाख रुपये का मिला अनुदान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नई दिल्ली वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के बायोटेक्नोलॉजी विभाग के एलुमनाई एवं इनोवेशन सेंटर के इनक्यूबेटी हीथोक्स प्राइवेट लिमिटेड को फाइजर की हेल्थकेयर इनोवेशन योजना के अंतर्गत 60 लाख रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ है। यह अनुदान सिकल सेल एनीमिया एवं थैलेसीमिया जैसी गंभीर बीमारियों की प्रारंभिक स्तर पर पहचान (Early Detection) के कार्य को आगे बढ़ाने के लिए प्रदान किया गया है।

यह अनुदान 12 फरवरी 2026 को वाणिज्य भवन, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली में आयोजित मेडटेक इनोवेशन एंड स्टार्टअप शोकेस प्रदर्शनी के दौरान प्रदान किया गया। कार्यक्रम का आयोजन डीपीआईआईटी (DPIIT) के अंतर्गत किया गया था। इस प्रदर्शनी में देशभर से प्राप्त 300 आवेदनों में से केवल 08 स्टार्टअप्स का चयन किया गया, जिनमें वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इनक्यूबेटी हीथोक्स प्राइवेट लिमिटेड को भी चयनित किया गया।

फाइजर इंडोनेशन प्रोग्राम के अंतर्गत चयनित स्टार्टअप को यह अनुदान केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल (वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार) द्वारा प्रदान किया गया। हीथोक्स प्राइवेट लिमिटेड की ओर से संस्थापक निदेशक शेखर आनंद (शोध निर्देशक), कुसुम आनंद, प्रिया काकरान एवं उनकी टीम उपस्थित रही। साथ ही विश्वविद्यालय के बायोटेक्नोलॉजी विभाग के शिक्षक डॉ. मनीष कुमार गुप्ता (सह-मुख्य शोधकर्ता) भी कार्यक्रम में सम्मिलित रहे।

कार्यक्रम में स्टार्टअप इंडिया के निदेशक डॉ. सुमीत जारंगल, संयुक्त सचिव श्री संजीव, प्रो. शैलेंद्र सराफ (निदेशक, नाइपर अहमदाबाद) दीपक बागला (मिशन डायरेक्टर, अटल इनोवेशन-नीति आयोग) तथा सुश्री मिनाक्षी नेवतिया (मैनेजिंग डायरेक्टर) की गरिमामयी उपस्थिति रही।

# बनारस कचहरी को बम से उड़ाने की धमकी

**जिला जज के ई-मेल पर आई सूचना से मचा हड़कंप, खाली कराया गया परिसर**

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में उस समय हड़कंप मच गया जब जिला जज के ई-मेल पर कचहरी को बम से उड़ाने की धमकी मिली। इसकी जानकारी मिलते ही बार पदाधिकारियों ने बैठक की। वहीं कचहरी परिसर में गहमागहमी का माहौल हो गया। रात 1.30 बजे ई-मेल पर धमकी भरा मैसेज आने की जानकारी मिली है।

जिला जज को ई-मेल पर मिली धमकी के बाद कचहरी की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। डीसीपी वरुणा प्रमोद कुमार और कैंट इंस्पेक्टर शिवाकांत मिश्रा फोर्स और बम निरोधक दस्ते के साथ कचहरी में चेकिंग अभियान चला रहे हैं। वहीं, अधिवक्ताओं ने भी अपने स्तर से चैंबर और संदिग्ध सामानों की जांच शुरू कर दी है। उधर, साइबर सेल की ओर से ई-मेल की जांच की जा रही है।

सेंट्रल बार अध्यक्ष प्रेमप्रकाश सिंह गौतम ने बताया कि जिला जज ने दोनों बार के अध्यक्ष महामंत्री को अपने चैंबर में बुलाकर जानकारी दी कि उनके यहां ई-मेल आया है, जिसमें डेढ़ बजे आतंकवादी संगठनों ने कचहरी को बम से उड़ाने की धमकी दी है। ऐसे में सभी मामलों में तारीखें दी जा रही हैं और कचहरी खाली करने का अनुरोध किया गया है।

# विधानसभा सत्र में रोहनिया विधायक ने अपने क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यो हेतु किया मांग

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के रोहनिया विधानसभा सत्र के दौरान राज्यपाल महोदया के बजट अभिभाषण पर धन्यवाद करते हुए रोहनिया विधायक डॉ सुनील पटेल ने अपने रोहनिया विधानसभा क्षेत्र के विकास से

जुड़े महत्वपूर्ण विषयों को प्रमुखता से उठाया। जिसमें पहला रोहनिया विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत मोहनसराय चौराहे पर अत्यधिक यातायात एवं भीड़भाड़ को देखते हुए वहाँ ग्रेड सेपरेटर (फ्लाईओवर) के निर्माण की मांग की। तथा दूसरा मोहनसराय अदलपुरा मार्ग के शीघ्र चार-लेन चौड़ीकरण कराए जाने का अनुरोध किया। और तीसरा अखरी से बच्छाव, करसड़ा एवं बेटवार होते हुए चुनार मार्ग को फोरलेन में परिवर्तित कर चौड़ीकरण कराए जाने की मांग रखी।

# पदयात्रा निकाल कर कांग्रेसियों ने की मनरेगा बहाली की मांग

**मजदूरों के अधिकारों को छीन रही है मोदी सरकारः सुधाकर तिवारी**

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केन्द्र सरकार द्वारा मनरेगा खत्म किए जाने के विरोध में कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष डा.प्रमोद कुमार सिंह के नेतृत्व में शहर कांग्रेस कार्यालय इंदिरा भवन से पीडब्ल्यूडी तिराहे के पास राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की प्रतिमा तक पदयात्रा व जुलूस निकाल कर सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कांग्रेसियों ने मनरेगा को बहाल किए जाने की मांग की। सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ कांग्रेस पार्टी द्वारा शुक्रवार को आयोजित विरोध मार्च में शामिल उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पर्यवेक्षक

सुधाकर तिवारी ने कहा कि सरकार मजदूरों को मिटाने का काम कर रही है, मनरेगा ग्रामीण क्षेत्र के मजदूरों, गरीबों और महिलाओं के लिए वरदान साबित हुआ था किंतु मोदी सरकार उद्योगपतियों के इशारे पर गरीबों का हक छीनने के लिए मनरेगा कानून को खत्म कर दिया है। सुधाकर तिवारी ने आगे कहा कि मनरेगा कानून को बहाल किए जाने तक कांग्रेस का आंदोलन जारी रहेगा। पूर्व एआईसीसी सदस्य देवव्रत मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस की सरकार में पूर्व प्रधानमंत्री डा.मनमोहन सिंह की सरकार ने मजदूरों को गारंटी के तहत गांवों में ही वर्ष में सौ दिन का रोजगार उपलब्ध कराने के लिए महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना को लागू किया था, मनरेगा सिर्फ योजना ही नहीं बल्कि ग्रामीण भारत के विकास की क्रांतिकारी योजना थी, मोदी सरकार विद्वेष की भावना से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का नाम मिटाने के लिए इसे समाप्त किया गया है। देवव्रत मिश्रा ने कहा कि नयी योजना विकसित भारत जी रामजी योजना से मजदूरों के रोजगार का अधिकार खत्म होने के साथ ही ग्राम पंचायतों की स्वतंत्रता समाप्त हो जायेगी, नयी योजना सरकार राज्यों के ऊपर जबरन थोपा जाने वाला कानून हैं, देवव्रत मिश्रा ने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि गांवों में अब ठेकेदारी प्रथा प्रारंभ हो जायेगी और मजदूरों का शोषण शुरू हो जायेगा। जुलूस का नेतृत्व करते हुए कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष डा प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि सरकार हर मोर्चे पर विफल हो गयी है, भारत के लिए सारा निर्णय अब अमेरिका ले रहा है, देश में बेरोजगारी, महंगाई, भय और भ्रष्टाचार का बोलबाला है, सरकार से जनता का भरोसा उठ चुका है। शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आरिफ खान ने जुलूस में आये हुए सभी कार्यकर्ताओ का आभार व्यक्त किया। जुलूस महात्मा गांधी जी की प्रतिमा के समक्ष पहुंच कर सभा में तब्दील हो गया। इस मौके पर रामचन्द्र मिश्र, प्रदेश सचिव सत्यवीर सिंह,मनरेगा बचाओ संग्राम के जिला को आर्डिनेटर डा. राकेश मिश्रा मंगला गुरु, विनय तिवारी, महिला कांग्रेस की अध्यक्ष श्रीमती रेखा सिंह, सभासद शहनवाज मंजूर, शेर बहादुर सिंह, जयसहित अन्य लोग मौजूद रहे। जुलूस का संचालन संगठन प्रभारी राकेश मिश्रा ने किया।

# वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने जनसुनवाई कक्ष का किया निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर, कुँवर अनुपम सिंह द्वारा शुक्रवार को पुलिस कार्यालय स्थित जनसुनवाई कक्ष का औचक निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान जनसुनवाई कक्ष की व्यवस्थाओं, अभिलेखों के रख-रखाव, शिकायतों के निस्तारण की प्रगति तथा आगंतुकों के लिए उपलब्ध सुविधाओं का गहन अवलोकन किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने जनसुनवाई रजिस्टर का अवलोकन कर प्राप्त शिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक द्वारा निर्देशित किया कि जनसामान्य की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर, निर्धारित समयसीमा में एवं पारदर्शिता के साथ सुनिश्चित किया जाए। लंबित प्रार्थना पत्रों की समीक्षा करते हुए संबंधित प्रभारियों को शीघ्र कार्यवाही पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जनसुनवाई पुलिस-जन संवाद का महत्वपूर्ण माध्यम है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने जनसुनवाई कक्ष में स्वच्छता, बैठने की समुचित व्यवस्था, पेयजल की उपलब्धता तथा शिकायतकर्ताओं के साथ विनम्र व्यवहार सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। साथ ही, शिकायतों के ऑनलाइन पंजीकरण एवं मॉनिटरिंग प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने पर बल दिया गया। निरीक्षण के दौरान क्षेत्राधिकारी नगर, गोल्डी गुप्ता सहित जनशिकायत शाखा प्रभारी एवं अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

# महाशिवरात्रि पर 10 लाख से अधिक भक्त करेंगे काशी विश्वनाथ का दर्शन

**ऑनलाइन बुकिंग बंद, 45 घंटे लगातार दर्शन देंगे बाबा**

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में महाशिवरात्रि के अवसर पर इस वर्ष श्रीकाशी विश्वनाथ धाम में आस्था का अभूतपूर्व सैलाब उमड़ने की संभावना है। मंदिर प्रशासन के अनुमान के अनुसार 45 घंटे में 10 लाख से अधिक श्रद्धालु बाबा विश्वनाथ का जलाभिषेक करेंगे। भारी भीड़ को देखते हुए 15 और 16 फरवरी को सभी प्रकार की ऑनलाइन बुकिंग बंद रखने का निर्णय लिया गया है।

श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर ट्रस्ट के के अनुसार इस बार मंगला आरती में शामिल होने वाले भक्तों की संख्या पिछले चार वर्षों के औसत से कहीं अधिक रहेगी। अब तक महाशिवरात्रि पर मंगला आरती में औसतन 750 श्रद्धालु शामिल होते रहे हैं, लेकिन इस वर्ष यह संख्या एक हजार के पार पहुंचने का अनुमान है। ब्रह्म मुहूर्त में प्रातः तीन से चार बजे के बीच मंगला आरती संपन्न होगी। आरती में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं को अपना पहचान पत्र साथ लाना अनिवार्य होगा। गर्भगृह के चारों द्वारों के सामने बैठने की विशेष व्यवस्था की जाएगी।

सामान्य दिनों में प्रतिदिन लगभग 250 श्रद्धालु मंगला आरती में शामिल होते हैं। हाल ही में मंदिर प्रशासन ने दो गुना यानी 500 श्रद्धालुओं की उपस्थिति का रिहर्सल भी किया था और ऑफलाइन टिकटों की संख्या बढ़ाई गई थी। महाशिवरात्रि के बाद भी मंगला आरती के ऑनलाइन टिकटों की भारी मांग बनी हुई है। 13 फरवरी से 13 मार्च के बीच 23 दिनों तक ऑनलाइन टिकट उपलब्ध नहीं हैं। ट्रस्ट की वेबसाइट पर बुकिंग फुल दिखाई दे रही है। इस अवधि में महाशिवरात्रि, रंगभरी एकादशी और होली समेत छह दिनों की ऑनलाइन बुकिंग निलंबित की गई है। 13 मार्च के बाद की बुकिंग 12 फरवरी को खोली जाएगी।

उल्लेखनीय है कि 2017 में कॉरिडोर निर्माण से पहले महाशिवरात्रि पर करीब दो लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किए थे, जबकि 2022 में कॉरिडोर लोकार्पण के बाद एक ही दिन में छह लाख भक्त पहुंचे थे। इस वर्ष 10 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के आगमन का अनुमान है।

# गोमती नदी में युवक के डूबने की आशंका, 24 घंटे बाद भी नहीं मिला कोई सुराग

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर के सद्भावना पुल के पास स्थित गोपी घाट पर एक युवक के डूबने की आशंका से हड़कंप मच गया है। घटना को 24 घंटे से अधिक समय बीत जाने के बाद भी युवक का कोई पता नहीं चल सका है। परिजन उसकी तलाश में जुटे हैं, जबकि पुलिस भी मामले की जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार, मोहम्मद उस्मान (उम्र लगभग 26-27 वर्ष) पुत्र मोहम्मद जीशान, निवासी मोहल्ला तारापुर, कोतवाली थाना क्षेत्र, बुधवार दोपहर करीब 12 बजे घर से निकले थे। काफी देर तक घर वापस न लौटने पर परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की, लेकिन कोई

जानकारी नहीं मिली। इसके बाद कोतवाली थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई।

तलाश के दौरान परिजन गोपी घाट पहुंचे, जहां स्थानीय दुकानदारों ने बताया कि दोपहर के समय एक युवक नदी में नहाते हुए डूब गया था। उस समय घाट पर सन्नाटा था, जिससे तत्काल राहत कार्य शुरू नहीं हो सका। यह जानकारी मिलते ही परिजनों की चिंता बढ़ गई और उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचित किया।

सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की, लेकिन खबर लिखे जाने तक युवक का कोई सुराग नहीं लग सका है। परिजन लगातार घाट और आसपास के क्षेत्रों में उसकी तलाश कर रहे हैं। पुलिस का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है और युवक की तलाश के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

# वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर ने की जनसुनवाई

**पुलिस अधीक्षक ने जनता की शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं शीघ्र निस्तारण का दिया निर्देश**

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर, कुँवर अनुपम सिंह द्वारा पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई का आयोजन कर जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता पूर्वक सुना गया। जनसुनवाई में प्राप्त प्रार्थना पत्रों की निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध जांच कर आवश्यक विधिक कार्यवाही सुनिश्चित करने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जनता की शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं शीघ्र निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाए तथा पीड़ितों के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाया जाए। साथ ही सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि किसी भी प्रकरण में लापरवाही पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

# गिरधर सीमेंट्स लिमिटेड परिसर में कंपनी संचालक के चाचा विष्णु हरि उपाध्याय की हत्या के मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

**सुशील कुमार तिवारी**

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के जनपद सोनभद्र में दिनांक 07/08.02.2026 की रात्रि में गिरधर सीमेंट्स लिमिटेड परिसर में कंपनी के संचालक के चाचा विष्णु हरि उपाध्याय की अज्ञात व्यक्ति द्वारा सिर पर पत्थर से वार कर हत्या कर दी गई थी। 12/13.02.2026 की रात्रि मुखबिर खास की सूचना पर आरोपी श्रवन सिंह उर्फ श्रवण गोंड पुत्रः राम प्रसाद सिंह निवासीः ग्राम झारा, थाना सनावल, जिला बलरामपुर, छत्तीसगढ़ उम्रः लगभग 36 वर्ष बग्घा नाला ओवरब्रिज के पास से गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी के पश्चात आरोपी की निशानदेही पर घटना स्थल से लगभग 300 मीटर दूर पक्के नाले व झाड़ियों में छिपाए गए इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी बरामद किए गए। पुलिस के पूछताछ का संक्षिप्त विवरण- आरोपी से पूछताछ करने पर उसके द्वारा बताया गया कि वह पूर्व में गिरधर सीमेंट्स लिमिटेड परिसर में 02 वर्षों तक मिस्त्री के पद पर कार्यरत था। नौकरी से निकाले

जाने तथा मृतक द्वारा डांट-फटकार किए जाने से वह रंजिश रखता था। दिनांक 07/08.02.2026 की रात लगभग 11-12 बजे वह बाउंड्री कूदकर परिसर में घुसा। बरामदे में सो रहे विष्णु हरि उपाध्याय के सिर पर पत्थर से 3-4 बार वार कर हत्या कर दी। इसके बाद मृतक के पास से चाबी का गुच्छा लेकर कार्यालय खोला तथा दराज से ?6500 नगद एवं मृतक का मोबाइल फोन ले लिया। साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से सीसीटीवी तोड़ दिया तथा मॉनिटर एवं प्रिंटर को उठाकर पास के नाले में झाड़ियों के नीचे छिपा दिया कि उसकी पहचान न हो सके।

# हमारा आंगन-हमारे बच्चे व पीएम श्री योजना का भव्य आयोजन

**खेलकूद व सांस्कृतिक कार्यक्रम में बच्चों ने बिखेरा प्रतिभा का रंग**

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समग्र शिक्षा अभियान, पीएम श्री योजना एवं निपुण भारत मिशन के अंतर्गत आयोजित हमारा आंगनझहमारे बच्चे कार्यक्रम तथा पीएम श्री योजना के अंतर्गत चयनित विद्यालयों के लिए जनपद स्तरीय खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम शुक्रवार को खेल मैदान, मो० हसन इंटर कॉलेज में धूमधाम से संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिलाधिकारी डॉ० दिनेश चंद्र रहे। उन्होंने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और छात्र-छात्राओं की प्रस्तुतियों की सराहना की। अपने संबोधन में जिलाधिकारी ने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों से बच्चों में आत्मविश्वास, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता का विकास होता है।

कार्यक्रम में पीएम श्री योजना के अंतर्गत चयनित विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। वहीं समूह नृत्य, देशभक्ति गीत, नाटक एवं अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ० गोरखनाथ पटेल ने कहा कि हमारा आंगन-हमारे बच्चे कार्यक्रम का उद्देश्य बुनियादी शिक्षा को सशक्त बनाना, अभिभावकों की सहभागिता बढ़ाना और विद्यालयों को मजबूत शैक्षिक केंद्र के रूप में विकसित करना है। कार्यक्रम में शिक्षा की गुणवत्ता सुधार और निपुण भारत मिशन के लक्ष्यों की प्राप्ति पर विशेष जोर दिया गया।

प्राचार्य डॉ० अब्दुल कादिर खान ने आभार व्यक्त करते हुए बेसिक शिक्षा विभाग की सराहना की।

प्रतियोगिता परिणाम-प्राथमिक स्तर बालक वर्ग 100 मीटर दौड़झ आर्यन (पीएम श्री विद्यालय असवा)

उच्च प्राथमिक स्तर 100 मीटर दौड़- निकेश राज (पीएम श्री विद्यालय नूरपुर) बालिका वर्ग 100 मीटर दौड़ शिवांगी (पीएम श्री विद्यालय कोठवार)।

बालक वर्ग कबड्डी- मड़ियाहूं तहसील प्रथम स्थान।

गायन प्रतियोगिता- पीएम श्री मयदीपुर प्रथम।

सामूहिक नृत्य- पीएम श्री नूरपुर प्रथम।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में जिला समन्वयक (प्रशिक्षण) विशाल कुमार, सहायक वित्त एवं लेखाधिकारी आलोक कुमार गुप्ता, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ० गोरखनाथ पटेल सहित शिक्षा विभाग के अधिकारियों, डायट प्रवक्ताओं, एसआरजी टीम एवं शिक्षकगण की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पूरे कार्यक्रम के दौरान उत्साहपूर्ण वातावरण बना रहा। बड़ी संख्या में अभिभावक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। यह आयोजन जनपद में शिक्षा, खेल और संस्कृति के समन्वित विकास की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल साबित हुआ। कार्यक्रम का संचालन नूपुर श्रीवास्तव ने किया।

# ट्रक की चपेट में आने से एक युवक की हुई मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। चंदवक थाना क्षेत्र के बाजार में ट्रक की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई जबकि एक घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पंचनामा घर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जबकि घायल का उपचार प्राइवेट अस्पताल में चल रहा है।

बताया जाता है कि पड़ोसी जनपद आजमगढ़ लालगंज थाना क्षेत्र के बेरी डीह गांव निवासी आयुष उर्फ आवेश उम्र लगभग 20 वर्ष पुत्र कमलेश इस गांव का निवासी फतह 24 वर्ष पुत्र आलम गुरुवार रात्रि वाराणसी से बाइक द्वारा घर जा रहे थे।

इसी दौरान चंदवक बाजार के पास ट्रक की चपेट में आ गए जिसके चलते दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए स्थानीय लोगों के सहयोग से जिला अस्पताल लाया जा रहा था कि आयुष की मौत हो गई। वहीं घायल का इलाज प्राइवेट नर्सिंग होम में चल रहा है। घटना रात 10:00 बजे के करीब बताई गई है।

## देशी तमन्चा कारतूस के साथ गिरफ्तार

**जौनपुर (उत्तरशक्ति)।** थाना सिकरारा पुलिस टीम द्वारा 01 आरोपी को 01 नाजायज देशी तमन्चा .315 बोर व 01 कारतूस .315 बोर के साथ किया गया गिरफ्तार। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह द्वारा जनपद में चलाये जा रहे। अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध सघन अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी सदर के पर्यवेक्षण में व प्रभारी निरीक्षक सिकरारा के कुशल नेतृत्व में थाना पुलिस टीम उ0नि0 हृदयानन्द मय हमराह के द्वारा मुखबिर खास की सूचना पर आज 13 फरवरी 2026 को अभियुक्त-लवकुश गौड़ पुत्र सुशील गौड़ निवासी सिकन्दरा खालेपुर थाना सिकरारा जौनपुर को मय एक नाजायज देशी तमन्चा .315 बोर व 01 कारतूस .315 बोर के समय 04.25 बजे बोधापुर मोड़ तिराहा से गिरफ्तार किया गया। व दाखिला एक फर्द मय बरामदगी एक नाजायज देशी तमन्चा .315 बोर व 01 कारतूस .315 बोर के आधार पर थाना हाजा पर मु0अ0सं0-50/26 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट थाना सिकरारा पंजीकृत कर अग्रेतर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

## जे पी एल क्रिकेट प्रतियोगिता में हिस्सा लेने आये युवक की दो पहिया वाहन हुई गायब

**इम्तियाज अहमद**

**जौनपुर (उत्तरशक्ति)।** जे पी एल क्रिकेट प्रतियोगिता में हिस्सा लेने आये युवक की दो पहिया वाहन पर चोरों ने किया हाथ साफ। मोहम्मद हसन पी जी कॉलेज में पंकज निषाद पुत्र लालजी निषाद, मियांपुर, थाना-ला0 बाजार जनपद जौनपुर 05 फरवरी 2026 को समय लगभग सायं 05:00 बजे मोहम्मद हसन पी.जी. कॉलेज, जौनपुर में आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट में भाग लेने आये हुए थे। अपनी मोटर साइकिल पल्सर 125 सी०सी०, रंग-काला, वाहन संख्या -UP62 CN 5138, इंजन नंबर इंजन नं DHXPNG79438, चेसिस नंबर MD2B64BXXNPG00545

उपलब्ध के अनुसार मोहम्मद हसन पी०जी० कॉलेज की बाउंड्री के बाहर सुरक्षित स्थान पर खड़ा किया था। तत्पश्चात मैच खेलने चला गया तथा रात्रि लगभग 01:30 बजे वापस लौटने पर देखा कि उक्त मोटर साइकिल वहां से गायब गई है। बहुत तलाश किया मगर कही नहीं मिली जिसकी सूचना थाना कोतवाली सदर जौनपुर में लिखित में दी। एक सप्ताह बीत जाने के बाद अभी तक कोई सुराग नहीं मिला है। कालेज के बाहर सी सी टी वी कैमरे लगे हुए है। अगर सही तरीके से जांच पड़ताल की जाए तो कोई न कोई सुराग जरूर मिलेगा।

## युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, परिवार में मचा कोहराम

**जौनपुर ( उत्तरशक्ति )।** रामपुर थाना क्षेत्र के गोरापट्टी ग्राम सभा अंतर्गत श्रवनपुर गांव में गुरुवार भोर एक दुखद घटना सामने आई। 21 वर्षीय प्रदुम्य पाठक पुत्र ननकू पाठक ने घर से लगभग 100 मीटर दूर बगीचे में आम के पेड़ पर साड़ी के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों के अनुसार घटना की जानकारी सुबह उस समय हुई जब परिवार के लोग दैनिक कार्यों के लिए बाहर निकले। युवक का शव पेड़ से लटका देख परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया जा रहा है कि युवक लगभग छह माह पूर्व पास्को एक्ट के एक मामले में जेल गया था जहां वह करीब छह माह तक बंद रहा। कुछ दिन पूर्व ही वह जेल से छूटकर घर आया था। हालांकि आत्महत्या के पीछे का वास्तविक कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है तथा परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल व्याप्त है। ग्रामीणों में तरह-तरह की चचाएं हो रही हैं। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

## पंजतनी कमेटी की सालाना मजलिस व जुलूस 15 फरवरी को

**जौनपुर (उत्तरशक्ति)।** पंजतनी कमेटी द्वारा कदम रसूल छोटी लाइन इमामबाड़े भंडारी रेलवे स्टेशन के पीछे 15 फरवरी रविवार को 28वें सालाना मजलिसे अजा व जुलूस निकाला जायेगा। मजलिस में सोजखानी सुबह दस बजे से सैयद गौहर अली जैदी व उनके हमनवा व जबकि पेशखानी डॉ शोहरत,हसन फतेहपुरी, डॉ मोहम्मद मेंहदी आजमी,वसी जौनपुरी,ऐबाद, खुमैनी आफाकी ,जमीर व मेहंदी जैदी जौंनपुरी करेंगे। निजामत बेलाल हसनैन व मौलाना शेख हसन जाफर करेगें। मजलिस को खेताब करेगें मौला अजादार हुसैन मुजफ्फरनगर, मौलान डॉ बाकर मेंहदी मौलाना सैयद नामदार हुसैन दिल्ली, मौलाना इब्ने हसन साहब दिल्ली खेताब करेंगे। मजलिस के बाद शाम को शबीहे ताबूत अलम व जुल्जनाह का जुलूस निकाला जायेगा जिसके हमराह अंजुमन शम्शीरे हैदरी नौहाखानी व सीनाजनी करेगी।

## भारत में सैमसंग के अगले एआई स्मार्टफोन का प्री-रिजर्वेशन शुरू

**गुरुग्राम।** देश की प्रमुख कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी सैमसंग ने अपने अगले एआई स्मार्टफोन के लिए भारत में प्री-रिजर्वेशन की घोषणा कर दी है। इस नई गैलेक्सी र सीरीज स्मार्टफोन को 25 फरवरी को सैन फ्रांसिस्को में आयोजित ह्यगैलेक्सी अनपैक्ड कार्यक्रम में पेश किया जाएगा। ग्राहक 999 रुपये की रिफंडेबल टोकन राशि देकर नए गैलेक्सी र सीरीज डिवाइस को प्री-रिजर्व कर सकते हैं। प्री-रिजर्वेशन Samsung.com,, सैमसंग एक्सक्लूसिव स्टोर्स, AmÔzo»»f.i»»f, Amazon.in, Flipkart.com और देशभर के प्रमुख रिटेल आउटलेट्स पर उपलब्ध है। प्री-रिजर्व करने वाले ग्राहकों को नए गैलेक्सी र सीरीज डिवाइस की खरीद पर 2,699 रुपये तक के विशेष लाभ मिलेंगे। कंपनी के अनुसार, नई गैलेक्सी र सीरीज को इस तरह तैयार किया गया है कि रोजमर्रा के काम आसान हों, यूजर का आत्मविश्वास बढ़े और गैलेक्सी एआई फीचर्स शुरू से ही सहज और स्वाभाविक अनुभव दें।

## होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने रोड सेफ्टी को लेकर जागरूकता अभियानों की शुरूआत की

**पटना।** होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने देशभर में रोड सेफ्टी को लेकर कई जागरूकता-केंद्रित पहलें आयोजित कीं। इन गतिविधियों के लिए कंपनी ने अपने डीलर नेटवर्क और स्थानीय स्टेकहोल्डर्स के साथ मिलकर सुरक्षित सड़क व्यवहार और ट्रैफिक नियमों की बेहतर समझ को बढ़ावा दिया। पूरे महीने के दौरान, देश के विभिन्न शहरों में सड़क सुरक्षा से जुड़ी जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गईं, जिनमें 30,000 से अधिक लोगों की भागीदारी रही। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत अपनी पहलों के हिस्से के रूप में, एचएमएसआई ने जयपुर आइडियल रोड सेफ्टी प्रोजेक्ट भी लॉन्च किया, जो सुरक्षित और जिम्मेदार मोबिलिटी की दिशा में कंपनी के फोकस को दशार्ता है। इस पहल का फोकस जागरूकता और ट्रेनिंग, बेहतर सड़क इंफ्रास्ट्रक्चर, चिन्हित जोन्स में सख्त अनुपालन और क्रिटिकल लोकेशंस के विश्लेषण पर है। फर्स्ट रिस्पॉन्डर्स की बेहतर तैयारी के जरिए यह पहल दुर्घटनाओं को कम करने और जीवन बचाने का लक्ष्य रखती है, साथ ही एक अधिक जिम्मेदार, तैयार और सेफ्टी-कोंशियस समुदाय का निर्माण करती है, जो देशभर के शहरों के लिए एक मॉडल बन सकता है। रोड सेफ्टी रैली, समिट, हेलमेट वितरण, मासिक सड़क सुरक्षा अभियान और अन्य एंगेजमेंट गतिविधियों सहित सभी जागरूकता कार्यक्रमों का फोकस ट्रैफिक नियमों, राइडर की जिम्मेदारी और प्रोटेक्टिव राइडिंग प्रैक्टिसेज की अहमियत को लेकर प्रैक्टिकल लर्निंग पर रहा।

# विदेश मंत्रालय की डिजिटल पहलों से भारतीय डायस्पोरा की सुरक्षा हुई मजबूत

**नई दिल्ली।** विदेश मंत्रालय की डिजिटल पहलों और सेंट्रलाइज्ड डेटाबेस ने भारतीय डायस्पोरा के लिए पहचान वेरिफिकेशन और सिक्योरिटी को मजबूत किया है। सिस्टम को डिजिटल बनाने से न केवल पासपोर्ट सर्विस तीव्र और भरोसेमंद हुई है, बल्कि विदेशों में रहने वाले भारतीयों को किसी भी मुसीबत के समय अपने संबंधित भारतीय मिशन से तुरंत सपर्क साधने में भी मदद मिलती है। यह जानकारी विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने राज्यसभा में पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए दी। राज्यसभा सांसद डॉ. के. लक्ष्मण ने 12 फरवरी को राज्यसभा में विदेश मंत्रालय के

समक्ष दुनिया भर में फैले भारतीय समुदाय के कल्याण, सुरक्षा एवं बचाव और मंत्रालय एवं भारतीय मिशनों की डिजिटल पहल से जुड़ा सवाल पूछा था। इसका जवाब देते हुए राज्य मंत्री सिंह ने कहा कि इंडियन डायस्पोरा की सेफ्टी और सिक्योरिटी भारत सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकताओं में से एक है। उन्होंने बताया कि मिनिस्ट्री द्वारा बनाए गए मदद पोर्टल और सीपीजीआरएएमएस के जरिए किसी भी मुसीबत के समय भारतीय मूल के लोग अपनी शिकायतें दर्ज करा सकते हैं। उन्होंने कहा, इंडियन डायस्पोरा सदस्यों की शिकायतों का जवाब लगभग रियल टाइम बेसिस पर दिया जाता है। मुश्किल में फंसे भारतीयों की मदद के लिए विदेश में इंडियन मिशन/पोस्ट में इंडियन कम्युनिटी वेलफेयर फंड (आईसीडब्ल्यूएफ) भी बनाया गया है। विदेशों में भारतीय मिशन और पोस्ट, खासकर उन देशों में जहां राजनीतिक अस्थिरता या आर्थिक संकट है, सतर्क रहते हैं और ऐसे किसी भी डेवलपमेंट पर करीब से नजर रखते हैं, जिससे ऐसे इलाकों में रहने वाले भारतीय डायस्पोरा पर बुरा असर पड़ सकता है। मुश्किल हालात के दौरान, भारतीय मिशन फंसे हुए भारतीयों को खाना, रहने की जगह, दवा देकर मदद करते हैं और जरूरत पड़ने पर उन्हें भारत लाते हैं। राज्य मंत्री ने बताया, पासपोर्ट सेवा और ई-वीजा जैसी डिजिटल पहलों ने पासपोर्ट सर्विस को आसान बना दिया है। विदेशों में 203 भारतीय मिशन/पोस्ट में पासपोर्ट सर्विस को मजबूत और आसान बनाया गया है, जिससे काम का तरीका तेज हुआ है तथा प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित हो गई है। मिनिस्ट्री ने ऑनलाइन सर्विस देने की अपनी कोशिश में ह्यसेवा- इंडियन कॉन्सुलर सर्विसेज सिस्टम भी शुरू किया है, जिससे भारतीय नागरिक विदेश में भारतीय मिशन/पोस्ट पर अलग-अलग कॉन्सुलर सर्विस के लिए ऑनलाइन अप्लाई कर सकते हैं। अब तक, 117 भारतीय मिशन/पोस्ट ई-सेवा प्लेटफॉर्म पर आ चुके हैं। मिनिस्ट्री ने ई-माइग्रेट प्लेटफॉर्म को भी मजबूत किया है, जो रिक्रूटिंग एजेंट्स, विदेशी एम्प्लॉयर्स और इमिग्रेंट्स को एक यूनिफाइड डिजिटल इकोसिस्टम में एक साथ लाता है।

# निर्दोष को छुआ तो खैर नहीं, दोषी छोड़ा तो कार्रवाई तय : डॉ. कौस्तुभ

गोरखपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस लाइन सभागार में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ ने वर्ष 2023 बैच के उपनिरीक्षकों के साथ विस्तृत बैठक कर उन्हें पुलिस सेवा के मूल दायित्वों, कानून व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारियों तथा जनता के प्रति व्यवहार को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए। बैठक में एसपी सिटी अभिनव त्यागी और एसपी नॉर्थ ज्ञानेंद्र भी मौजूद रहे। जनपद के विभिन्न थानों में तैनात करीब 200 उपनिरीक्षक इस दौरान अपनी सेवा दे रहे है।

एसएसपी डॉ. कौस्तुभ ने कहा कि पुलिस की सबसे बड़ी पूंजी जनता का विश्वास है, और यह विश्वास केवल ईमानदार, निष्पक्ष व संवेदनशील कार्यशैली से ही अर्जित

किया जा सकता है। उन्होंने सभी नव नियुक्त अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि वे अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा और पारदर्शिता के साथ करें। किसी भी निर्दोष व्यक्ति को अनावश्यक रूप से परेशान करना न केवल अनुचित है बल्कि पुलिस की छवि को भी नुकसान पहुंचाता है।

उन्होंने सख्त लहजे में चेतावनी दी कि यदि किसी दोषी व्यक्ति को पकड़ने के बाद उसे अनुचित तरीके से छोड़ने या मामले में ढिलाई बरतने की शिकायत मिलती है, तो संबंधित अधिकारी के विरुद्ध कठोर विभागीय कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि कानून से ऊपर कोई नहीं है और अपराधियों के प्रति किसी प्रकार की सहानुभूति बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

एसएसपी ने यह भी कहा कि थाने पर आने वाले फरियादियों से शालीनता से बात करना, उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुनना और समयबद्ध निस्तारण करना हर पुलिसकर्मी की प्राथमिक जिम्मेदारी है। पुलिस का व्यवहार ऐसा होना चाहिए कि आम नागरिक खुद को सुरक्षित और सम्मानित महसूस करे। उन्होंने कहा कि छोटी-छोटी लापरवाहियां भविष्य में बड़ी समस्याएं बन जाती हैं, इसलिए ड्यूटी के दौरान सतर्कता बेहद जरूरी है।

बैठक में विवेचना की गुणवत्ता, गिरफ्तारी की प्रक्रिया, महिला एवं कमजोर वर्ग से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता, बीट पुलिसिंग, रात्रि गश्त और अपराध नियंत्रण के प्रभावी तरीकों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। एसएसपी ने कहा कि तकनीक का उपयोग बढ़ाएं, रिकॉर्ड अपडेट रखें और अपने वरिष्ठ अधिकारियों को समय-समय पर सही जानकारी उपलब्ध कराते रहें।

एसपी सिटी अभिनव त्यागी ने उपनिरीक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि थाना स्तर पर वही अधिकारी सफल माना जाता है, जो टीम भावना के साथ काम करे और जनता के बीच सकारात्मक छवि बनाए। उन्होंने अनुशासन, समयपालन और बेहतर संवाद को पुलिसिंग की रीढ़ बताया।

वहीं एसपी नॉर्थ ज्ञानेंद्र ने कहा कि क्षेत्र में होने वाली छोटी से छोटी घटना की जानकारी रखना और उस पर त्वरित प्रतिक्रिया देना जरूरी है। अपराध की रोकथाम में सक्रियता ही सबसे बड़ा हथियार है। उन्होंने उपनिरीक्षकों को अपने-अपने क्षेत्रों में मजबूत सूचना तंत्र विकसित करने की सलाह दी।

बैठक के अंत में एसएसपी डॉ. कौस्तुभ ने सभी अधिकारियों से अपेक्षा जताई कि वे अपने आचरण और कार्यशैली से गोरखपुर पुलिस की प्रतिष्ठा को और मजबूत करेंगे। उन्होंने कहा कि ईमानदार मेहनत करने वालों को विभाग हमेशा प्रोत्साहित करेगा, लेकिन भ्रष्टाचार या लापरवाही के लिए कोई जगह नहीं है। करीब दो घंटे चली इस बैठक को पुलिस महकमे में नई ऊर्जा और स्पष्ट संदेश के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें साफ कर दिया गया कि जनपद में कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के साथ-साथ ड्यूटी में कोताही बरतने वालों पर भी सख्ती तय है।

## महाशिवरात्रि में घर बैठे स्पीड पोस्ट से प्राप्त करें सोमनाथ और श्री काशी विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग का प्रसाद

**जौनपुर (उत्तरशक्ति)।** महाशिवरात्रि में शिव आराधना की विशेष महिमा है। हर किसी की इच्छा होती है कि वह भगवान शिव के ज्योतिर्लिङ्ग स्वरूप का दर्शन और आशीर्वाद स्वरुप प्रसाद पा सके। परन्तु कुछ श्रद्धालु चाहकर भी दर्शन नहीं कर पाते। अब ऐसे श्रद्धालुओं को निराश होने की आवश्यकता नहीं है। डाक विभाग की स्पीड पोस्ट सेवा के माध्यम से लोग देश के किसी भी कोने में घर बैठे श्री सोमनाथ मंदिर, गुजरात और श्री काशी विश्वनाथ मंदिर, वाराणसी का प्रसाद प्राप्त कर सकते हैं। उक्त जानकारी उत्तर गुजरात परिक्षेत्र के पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव ने दी। साथ ही महाशिवरात्रि में डाकघरों से गंगाजल की सुविधा भी उपलब्ध है। 250 मि.ली.की गंगाजल बोतल मात्र 30 रुपए में ली जा सकती है। पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि श्री सोमनाथ ट्रस्ट ने श्रद्धालुओं को घर बैठे प्रसाद

उपलब्ध कराने हेतु भारतीय डाक विभाग से एक समझौता किया है।

इस समझौते के तहत कोई भी श्रद्धालु मैनेजर, श्री सोमनाथ ट्रस्ट, प्रभास पाटन, जिला- जूनागढ़, गुजरात-362268 को 270 का ई-मनीऑर्डर भेजकर स्पीड पोस्ट द्वारा प्रसाद मंगा सकता है। ई-मनी ऑर्डर पर श्प्रसाद के लिए बुकिंग' अंकित करना होगा। तदोपरांत श्री सोमनाथ ट्रस्ट द्वारा संबंधित श्रद्धालु को 400 ग्राम का प्रसाद का पैकेट स्पीड पोस्ट द्वारा भेजा जायेगा।

इस प्रसाद में 200 ग्राम बेसन लड्डू, 100 ग्राम तिल की चिक्की और 100 ग्राम मावा की चिक्की रहेगी। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर का प्रसाद भी देश भर में स्पीड पोस्ट सेवा द्वारा लोगों को उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके तहत मात्र ? 251 रुपए का ई-मनीआर्डर प्रवर अधीक्षक डाकघर, वाराणसी (पूर्वी) मंडल-221001 के नाम भेजना होगा। ई-मनीऑर्डर प्राप्त होते ही डाक विभाग द्वारा तत्काल दिए गए पते पर स्पीड पोस्ट द्वारा प्रसाद भेज दिया जायेगा। पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि प्रसाद में श्री काशी विश्वनाथ ज्योतिर्लिङ्ग की छवि, महामृत्युंजय यंत्र, श्री शिव चालीसा, 108 दाने की रुद्राक्ष की माला, बेलपत्र, माता अन्नपूर्णा से भिक्षाटन करते भोले बाबा की छवि अंकित सिक्का, भभूति, रक्षा सूत्र, रुद्राक्ष मनका, मेवा, मिश्री का पैकेट इत्यादि शामिल हैं। डाक विभाग ने इस बात के भी प्रबंध किए हैं कि, भक्तों को मोबाइल नंबर पर स्पीड पोस्ट का विवरण एसएमएस के माध्यम से मिलेगा। इसके लिए भक्तों को ई-मनीऑर्डर में अपना पूरा पता, पिन कोड और मोबाइल नंबर लिखना अनिवार्य होगा।

## नए पात्र मतदाता बनाने के लिए चला जागरूकता अभियान

**जौनपुर (उत्तरशक्ति)।** भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश के क्रम में जनपद में चल रहे मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में विशेष कार्यक्रम आयोजित कर पात्र युवाओं एवं महिलाओं को मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने हेतु प्रेरित किया जा रहा है। इसी क्रम में शाहगंज स्थित राजकीय महिला महाविद्यालय, में आयोजित लिटरेसी क्लब की बैठक में प्रतिभाग करते हुए अपर जिलाधिकारी/उप जिला निर्वाचन अधिकारी परमानंद झा ने छात्राओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की सुदृढ़ता के लिए महिलाओं की सक्रिय भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुकी छात्राओं को मतदाता बनने की प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेजों तथा निर्वाचन संबंधी प्रपत्रों की जानकारी दी। बैठक के दौरान पात्र छात्राओं को फॉर्म-6 उपलब्ध कराकर उसे भरवाया गया तथा संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध रूप से अग्रसारित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने छात्राओं से अपील की कि वे स्वयं के साथ-साथ अपने परिवार एवं आसपास के पात्र लोगों को भी मतदाता सूची में नाम जुड़वाने हेतु प्रेरित करें।

इसके साथ ही रामअवध गन्ना कृषक महाविद्यालय, ताखा शाहगंज में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने युवा एवं महिला मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि मतदान न केवल एक संवैधानिक अधिकार है, बल्कि राष्ट्र निर्माण में सहभागिता का सशक्त माध्यम भी है। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं को मतदाता सूची में नाम सम्मिलित कराने, त्रुटि संशोधन एवं स्थानांतरण से संबंधित प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। विशेष रूप से महिला मतदाताओं को उनके अधिकारों, मतदान के महत्व तथा निर्वाचन प्रक्रिया में उनकी भूमिका के बारे में जागरूक किया गया। इस अवसर पर भी पात्र विद्यार्थियों से फॉर्म-6 भरवाकर उनका पंजीकरण सुनिश्चित कराया गया।

## मीरा-भायंदर महानगरपालिका में महापौर की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न

मीरा-भायंदर। मीरा-भायंदर महानगरपालिका मुख्यालय में महापौर डिंपल मेहता की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में मीरा-भायंदर शहर के समग्र विकास को गति देने के उद्देश्य से विभिन्न विकास परियोजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान ह्यसूर्या परियोजनाह्न सहित मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) के अंतर्गत चल रहे मेट्रो, सड़क एवं अन्य अधोसंरचना कार्यों की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रलंबित कार्यों और स्थानीय समस्याओं पर स्पष्ट रूप से विचार-विमर्श करते हुए संबंधित अधिकारियों को त्वरित निर्णय लेकर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। महापौर ने कहा कि नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध सुविधाएँ उपलब्ध कराना ही महानगरपालिका का मुख्य संकल्प है। बैठक में विधायक नरेंद्र मेहता, आयुक्त राधाबिनोद शर्मा, उपमहापौर ध्रुवकिशोर पाटील, गटनेता हसमुख गेहलोत, नगरसेवक भगवती शर्मा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

## भाजपा महिला मोर्चा वसई विरार जिला बैठक सम्पन्न

**नालासोपारा।** एकवीरा पार्टी हॉल, अलका पुरी मार्केट, नालासोपारा ईस्ट में यूनियन बजट पब्लिसिटी और प्रमोशन कैंपेन 2026 के तहत महिला मोर्चा महिला सम्मेलन प्रोग्राम बड़े जोश और खुशी के साथ हुआ। इस मौके पर एडवोकेट और कॉर्पोरेटर श्रीमती दर्शना ताई त्रिपाठी और श्रीमती प्रज्ञा ताई पाटिल डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट वसई विरार मुख्य स्पीकर के तौर पर मौजूद थीं। यह देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पेश किया गया 12वां यूनियन बजट है और यह यूनियन फाइनेंस मिनिस्टर श्रीमती निर्मला सीतारमण का 9वां बजट है। यह बजट महिलाओं को प्राथमिकता देता है, महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देता है और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाता है और देश के ओवरऑल विकास को बढ़ावा देता है। प्रोग्राम को महिला मोर्चा की जनरल सेक्रेटरी अफरीन ताई शेख ने कोऑर्डिनेट किया और सभी डिस्ट्रिक्ट और मंडल के ऑफिसियल्स ने प्रोग्राम को सफल बनाने में सहयोग किया।

## बिजली के शार्ट शर्किट से लगी आग ,हजारों रुपये का सामान जलकर हुआ खाक

**रियाजुल हक**

**जौनपुर (उत्तरशक्ति)।** धमार्पुर विकास खंड के गजना गांव में बिजली के शार्ट शर्किट से हजारो रुपये का सामान जल कर खाक हो गयी कोई अप्रिय घटना नहीं हुई। गजना गांव निवासी राजबहादुर यादव मेजर के घर में दो से ढाई बजे के बीच में बिजली के शार्ट शर्किट से फ्रिज से लेकर हजारो रुपये की कीमत की सामान जल कर खाक हो गया । सीमेंट का पतरा आग की गैस से चकना चूर हो गया गैस से भरा दो सेलेन्डर फटता तो और बड़ी घटना हो सकती थी लेकिन किसी तरह आग पर काबू पाने से कोई अप्रिय घटना नहीं हुई सब सामान जल कर खाक हो गया।

## आसाराम जी बापू की प्रेरणा से डोंबिवली में मातृ-पितृ पूजन दिवस का किया गया भव्य आयोजन

डोंबीवली । डोंबीवली स्थित सरस्वती हिंदी विद्यालय में संत श्री आसाराम बापू की प्रेरणा से मातृ-पितृ पूजन दिवस बड़े ही श्रद्धा, भावनात्मक वातावरण और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने अपने माता-पिता का विधिवत पूजन कर चरण-स्पर्श किया और उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में माता-पिता के प्रति सम्मान, कृतज्ञता और संस्कारों की भावना को प्रबल करना रहा। विद्यालय परिसर में आयोजित इस समारोह में विद्यार्थियों ने स्वागत गीत, प्रेरणादायी विचार और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से माता-पिता के त्याग और महत्व को उजागर किया। विद्यालय के शिक्षकों ने अपने संबोधन में कहा कि मातृ-पितृ पूजन दिवस बच्चों के चरित्र निर्माण और नैतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने का प्रभावी माध्यम है। अभिभावकों ने भी इस आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से बच्चों में संस्कारों की जड़ें और मजबूत होती हैं। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिवार की ओर से उपस्थित सभी माता-पिता का सम्मान किया गया। आयोजन को सफल बनाने में सरस्वती हिंदी विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकवृंद और विद्यार्थियों का विशेष योगदान रहा।

## साधना की स्वर्ण रेखा : किशोरी की लेखनी से सजे 5,555 ॐ, काशी में गूंजा प्रतिभा और तप का स्वर

वाराणसी. महाशिवरात्रि महोत्सव के पावन अवसर पर काशी की आध्यात्मिक चेतना और संस्कारमयी परंपरा को गौरवान्वित करने वाली एक अद्भुत उपलब्धि सामने आई है। जनपद के प्रतिष्ठित पाणिनि संस्कृत विद्यालय की कक्षा 10 की 15 वर्षीय छात्रा सुश्री स्वर्णा निगम ने साधना, धैर्य और एकाग्रता का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत करते हुए विजिटिंग कार्ड के आकार के कुल 5,555 ॐ हस्तलिखित रूप में तैयार कर अनूठा कीर्तिमान स्थापित किया है।

स्वर्णा की यह साधना केवल लेखन नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक तपस्या के रूप में सामने आई है। पूरे एक वर्ष तक निरंतर परिश्रम और समर्पण के साथ उन्होंने इस संकल्प को पूर्ण किया। उनकी इस साधना की सबसे विशेष बात यह है कि प्रत्येक ॐ की आकृति एक-दूसरे से भिन्न और विशिष्ट है, जो उनकी सूक्ष्म साधना और आध्यात्मिक भावनाओं की गहराई को प्रतिबिंबित करती है।

उनकी इस विलक्षण उपलब्धि को अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी सराहना प्राप्त हुई है। स्वर्णा को एव EURASIA Certificate of Authenticity द्वारा प्रमाणित कर सम्मानित किया गया, जिसने उनके प्रयास को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाई है। यह उपलब्धि न केवल व्यक्तिगत सफलता है, बल्कि काशी की सांस्कृतिक विरासत और संस्कृत शिक्षा की गरिमा को भी नई ऊँचाई प्रदान करती है। संस्कृत शिक्षा के संवर्धन और विद्यार्थियों के प्रोत्साहन में श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास की भूमिका उल्लेखनीय रही है। न्यास द्वारा जनपद के संस्कृत विद्यालयों में निःशुल्क शैक्षिक पुस्तकें और भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे संस्कृत अध्ययन को नई ऊर्जा मिल रही है। इसी योजना के अंतर्गत पाणिनि संस्कृत विद्यालय भी लाभान्वित हो रहा है।

दिनांक 13 फरवरी 2026 को शिवार्चनम मंच पर आयोजित गरिमामय समारोह में मंदिर न्यास के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्र, श्री अन्नपूर्णा मंदिर के महंत शंकर पुरी महाराज तथा अन्य गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में स्वर्णा निगम को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मंदिर न्यास की ओर से उन्हें शिव-शक्ति का प्रतीक रुद्राक्ष माला, दुपट्टा और सम्मान राशि प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएँ दी गईं। वहीं अन्नपूर्णा मंदिर की ओर से माता अन्नपूर्णा के आशीर्वाद स्वरूप 11 हजार रुपये की नगद राशि भेंट की गई। साथ ही मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने व्यक्तिगत रूप से 5,555 रुपये के दो लिफाफे प्रदान कर बालिका का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में उपस्थित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी स्वर्णा की शिक्षा और प्रगति के लिए स्वेच्छा से आर्थिक सहयोग प्रदान किया।

स्वर्णा निगम की यह उपलब्धि यह सिद्ध करती है कि जब युवा पीढ़ी संस्कार, संस्कृति और साधना से जुड़कर लक्ष्य निर्धारित करती है, तब सफलता स्वयं उनके चरण चूमती है। उनकी यह साधना न केवल व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि सनातन परंपरा और संस्कृत संस्कृति की निरंतर प्रवाहित होती आध्यात्मिक धारा का जीवंत प्रतीक भी है.

## ट्रंप की ईरान को सख्त चेतावनी- 'परमाणु समझौते पर राजी हो, नहीं तो होंगे बहुत दर्दनाक परिणाम

इंटरनेशनल डेस्कः अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को ईरान को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि अगर उसने परमाणु समझौते (न्यूक्लियर डील) पर सहमति नहीं दी, तो उसे बहुत दर्दनाक परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। ट्रंप ने यह बयान इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ वॉशिंगटन में हुई बैठक के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिया। उन्होंने बैठक को बहुत अच्छा बताया और कहा कि ईरान के साथ समझौता करना जरूरी है।

ट्रंप ने कहा, हमें एक समझौता करना ही होगा। अगर ऐसा नहीं हुआ, तो हालात बहुत गंभीर हो जाएंगे। मैं ऐसा नहीं चाहता, लेकिन हमें डील करनी होगी। उन्हें पहली बार ही समझौता कर लेना चाहिए था, लेकिन उन्होंने नहीं किया और उन्हें मिडनाइट हैमर झेलना पड़ा। अगर अब भी वे डील नहीं करते हैं, तो यह ईरान के लिए बहुत दर्दनाक होगा। यहां ट्रंप ने "Midnight Hammer" का जिक्र किया, जो जून 2025 में अमेरिका द्वारा ईरान के तीन प्रमुख परमाणु ठिकानों पर किए गए हमलों को संदर्भित करता है। उन्होंने कहा कि अगर ईरान समझौता नहीं करता, तो स्थिति अलग दिशा में जा सकती है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि अंतिम फैसला उन्हीं के हाथ में है। बैठक के बाद इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी मीडिया से बातचीत की। मैरीलैंड के जॉइंट बेस एंड्रूज से इजराइल रवाना होते समय उन्होंने कहा कि यह दौरा छोटा लेकिन महत्वपूर्ण था। उन्होंने कहा, मैंने अपने अच्छे दोस्त राष्ट्रपति ट्रंप से मुलाकात की। हमारे बीच करीबी, सच्चे और खुले संबंध हैं।

नेतन्याहू ने बताया कि बातचीत का मुख्य फोकस ईरान था, लेकिन अन्य मुद्दों पर भी चर्चा हुई। उनके अनुसार, ट्रंप का मानना है कि ईरान अब समझ चुका है कि वह किससे बातचीत कर रहा है। उन्होंने कहा कि ट्रंप की सख्त शर्तें और पिछली बार समझौता न करने की गलती को लेकर ईरान की समझ, उसे इस बार एक अच्छे समझौते के लिए राजी कर सकती है। हालांकि नेतन्याहू ने यह भी स्पष्ट किया कि उन्हें ईरान के साथ किसी समझौते की संभावना को लेकर सामान्य रूप से संदेह है। उन्होंने कहा कि उन्होंने व्हाइट हाउस को साफ कर दिया है कि कोई भी समझौता सिर्फ परमाणु कार्यक्रम तक सीमित नहीं होना चाहिए।

## अपने लक्ष्य निर्धारण से ही चुनौतियों का सामना किया जा सकता है : जिला समाज कल्याण अधिकारी

मुंगराबादशाहपुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। न्यू शक्ति कॉलेज के सभागार में जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा संचालित ट्रिपल सी एवं ओ लेवल प्रशिक्षण योजना के अंतर्गत उत्तीर्ण हुए छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग वाराणसी मंडल के डिप्टी डायरेक्टर शरद प्रकाश श्रीवास्तव, विशिष्ट अतिथि जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग अधिकारी नरेंद्र विश्वकर्मा, संस्थापक रवींद्र बहादुर सिंह व डायरेक्टर राजन सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि शरद प्रकाश श्रीवास्तव ने कहा कि ईमानदारी, समर्पण और स्पष्ट लक्ष्य निर्धारण के साथ पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने से ही भविष्य की चुनौतियों का सामना किया जा सकता है, और मेहनत, दृढ़ इच्छाशक्ति और नैतिक मूल्यों को अपनाकर सफलता प्राप्त की जा सकती है। विशिष्ट अतिथि नरेंद्र कुमार विश्वकर्मा ने कहा कि यह सम्मान समारोह छात्र-छात्राओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है और उनके भविष्य के लिए एक नया मार्ग प्रशस्त करेगा। शिक्षा ही वह शस्त्र है जो समाज में परिवर्तन ला सकता है।ज्योति यादव, मानसी शर्मा और अनामिका शर्मा ने आईओटी के तहत बनाए गए मॉडल का डेमो दिखाया, जिसमें स्टील लाइट, सेंसर दरवाजा और खेती सिंचाई का माध्यम शामिल था।मुख्य अतिथि शरद प्रकाश श्रीवास्तव, विशिष्ट अतिथि नरेंद्र विश्वकर्मा,रविंद्र बहादुर सिंह व राजन सिंह ने अमन, अंकिता, अंशु, अनुपम, आशीष, दीपक, दीपशिखा, देवांशु, धीरज, गुडिया, हरिओम, हिमांशु, ऋषि, काजल, भूमिका, देवेन्द्र, जीनत, प्रतिभा, प्रीताम, रोहित, राज, शिखर, श्रेया, सुगंधा, उर्वशी, विशाल, आकाश, अंजली, अंकित, आशीष, दामिनी, धुव, गुल्सनोवर, हेरा, ईशा, काजल, कंचन, करीना, महजबीन व मनीषा सहित 110 ट्रिपल सी एवं ओ लेवल छात्र-छात्राओं को सम्मान पत्र और मेडल देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन राजन सिंह व पूजा सिंह ने किया।

## एसओजी व पुलिस टीम पर हमले के तीन आरोपी गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बीरभानपुर गांव में दबिश देने पहुंची एसओजी एवं पुलिस टीम पर हुए जानलेवा हमले के मामले में पुलिस ने शुक्रवार की शाम तीन नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। थानाध्यक्ष विक्रम लक्ष्मण सिंह ने बताया कि घटना के संबंध में दर्ज मुकदमे में नामजद 19 आरोपियों व 40-50 अज्ञात महिला-पुरुषों को अभियुक्त बनाया गया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी जुगनू गौतम, अरविंद एवं राकेश यादव को गिरफ्तार कर संबंधित धाराओं में चालान न्यायालय भेज दिया है। बताया गया कि थानाध्यक्ष की तहरीर पर गुरुवार देर रात्रि ग्राम प्रधान आनंद गौतम, राजेश गौतम, धीरज गौतम, वांछित पंकज गौतम, सूरज, संदीप, दिनेश यादव, धर्मराज यादव, सतेंद्र समेत कुल 19 नामजद व्यक्तियों के विरुद्ध जानलेवा हमला सहित अन्य धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया गया है। पुलिस शेष नामजद व अज्ञात आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है। घटना के बाद गांव में एहतियातन पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

## द बॉडी शॉप की वैलेंटाइन कलेक्शन पेश

मुंबई। इस वैलेंटाइन डे पर पारंपरिक गिफ्ट्स से आगे बढ़ते हुए, द बॉडी शॉप ने पर्सनल, थॉटफुल और खूबसूरती से पैक किए गए गिफ्ट विकल्पों की विशेष श्रृंखला लॉन्च की है। ब्रांड ने इस अवसर के लिए खासतौर पर तैयार किए गए रेडी-टू-गिफ्ट बॉक्स और क्रिएट योर ओन कस्टमाइजेशन विकल्प पेश किए हैं, जो गिफ्टिंग को आसान, सुविधाजनक और यादगार अनुभव बनाते हैं।

ब्रांड की वैलेंटाइन रेंज में रेडी-टू-गिफ्ट सेट्स शामिल हैं। बेरी लविंग गिफ्ट सेट में स्ट्रॉबेरी खुशबू वाला शावर जेल, बॉडी योगर्ट और बॉडी मिस्ट शामिल हैं। वहीं क्यूपिड अप्रूव्ड ब्रिटिश रोज गिफ्ट सेट में शावर जेल, बॉडी बटर और हैंड क्रीम दी गई है। दोनों सेट्स को दोबारा उपयोग योग्य फेस्टिव पैकेजिंग में पेश किया गया है। इस सीजन में पुरानी यादों और बोल्ड टच लाने वाली खास बात है ड्यूबेरी रेंज की वापसी। दुनिया भर में आइकॉनिक यह रेंज अब गिफ्ट बॉक्स और अलग-अलग प्रोडक्ट्स के रूप में उपलब्ध है। इसकी रिच, फ्रूटी खुशबू वैलेंटाइन गिफ्टिंग में मस्ती और जिंदादिल अहसास जोड़ती है। इसके अलावा, ब्रांड ने नया टोबैको फ्लावर बॉडी मिस्ट और टोबैको फ्लावर ईऊ डी टॉयलेट भी लॉन्च किया है। ग्राहकों के लिए क्रिएट योर ओन गिफ्ट ब ॉक्स विकल्प भी उपलब्ध है, जिसके तहत वे अपनी पसंद के बाथ, बॉडी और फ्रेग्रेंस उत्पाद चुनकर कस्टमाइज्ड गिफ्ट तैयार कर सकते हैं। विशेष रूप से तैयार किये गये गिफ्ट बॉक्स, पर्सनलाइज्ड क्रिएट योर ओन विकल्प, आइकॉनिक ड्यूबेरी रेंज की वापसी और नए टोबैको फ्लावर बॉडी मिस्ट और ईउ डे टॉयलेट के लॉन्च के साथ, द बॉडी शॉप इस वैलेंटाइन डे पर आसान, थॉटफुल और यादगार गिफ्टिंग के शानदार विकल्प दे रहा है न सिर्फ 14 फरवरी के लिए, बल्कि इसके बाद भी आप इनका आनंद उठा सकते हैं।

## बाराबंकी पुलिस का बड़ा एक्शन, सपा प्रवक्ता मनोज यादव को किया गिरफ्तार

बाराबंकी। समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता मनोज यादव को लेकर बीते 24 घंटों से चल रहा सस्पेंस खत्म हो गया है। गुरुवार शाम घर से लापता हुए मनोज यादव को बाराबंकी पुलिस ने एक पुराने मुकदमे में गिरफ्तार किया है। बता दें कि मनोज यादव गुरुवार शाम काकोरी में एक पारिवारिक कार्यक्रम में जाने की बात कहकर निकले थे, लेकिन वापस न लौटने पर उनकी पत्नी प्रभा ने शुक्रवार सुबह गोमती नगर विस्तार थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। गोमती नगर विस्तार इंस्पेक्टर सुधीर अवस्थी के अनुसार, जांच के दौरान पता चला कि बाराबंकी के सफदरगंज थाने की पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार किया है और आज उन्हें कोर्ट में पेश किया जाएगा। गोमती नगर विस्तार थाने के इंस्पेक्टर सुधीर अवस्थी ने बताया कि गुमशुदगी दर्ज कर जांच शुरू की गई तो बाराबंकी के सफदरगंज में एक मुकदमे में उनकी गिरफ्तारी की जानकारी मिली है। आज पुलिस उन्हें बाराबंकी कोर्ट में पेश करेगी।

## डॉ.अजय पाल बने एमडी, जौनपुर नाम किया रौशन

-गुड़िया बिन्द

केराकत, जौनपुर ( उत्तरशक्ति )। केराकत तहसील के ग्राम गोबरा, पोस्ट रत्नपुर बाजार के निवासी डॉ. अजय पाल ने अपनी कड़ी मेहनत और समर्पण से एमडी की डिग्री प्राप्त कर क्षेत्र और जनपद का नाम गर्व से ऊंचा किया है। उन्हें यह प्रतिष्ठित डिग्री देश की प्रसिद्ध डी. वाई. पाटील यूनिवर्सिटी से प्राप्त हुई है। इस सफलता से न केवल उनके परिवार और क्षेत्र, बल्कि समूचे जनपद में खुशी का माहौल है। डी. वाई. पाटील यूनिवर्सिटी के वार्षिक दीक्षांत समारोह में डॉ. अजय पाल को यह उपाधि प्रदान की गई। उनकी यह सफलता क्षेत्र के युवाओं के लिए एक प्रेरणास्त्रोत बन गई है।

## फिर हुआ किन्नरों के गुटों में विवाद: सपना हाजी केस के गवाही नहीं देने को लेकर ट्रांसजेंडर को धमकाया

इंदौर। मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी के इंदौर में किन्नरों के गुटों में विवाद का मामला थमने का नाम नहीं ले रहा है। पिछले दिनों सपना हाजी और राजा हाशमी के खिलाफ नंदलाल पूरा के गुट ने धर्मांतरण मारपीट वो विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कराया था। इस मामले में गवाह को धमकाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में मुकदमा दर्ज किया है। पूरा मामला इंदौर का है। जहां पिछले दिनों पंढ़रीनाथ क्षेत्रों में नंदलाल पूरा के रहने वाले किन्नर समूह के कुछ किन्नरों ने सपना हाजी राजा हाशमी और उसके साथियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि धर्मांतरण शोषण और ब्लैकमेलिंग कर काफी परेशान कर रहे हैं जिस पर से पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर सभी को गिरफ़्तार किया। वहीं इसी बीच शिमला कुंवर द्वारा लसूड़िया क्षेत्र में किसी काम से ज्यादा हुआ तो तभी सपना हाजी गुट के सोना और राहुल द्वारा ट्रांसजेंडर शिमला कुंवर को सपना हाजी वाले मामले में गवाही न देने को जान से मारने की धमकी दी और धमकाया। इस मामले में पुलिस ने धमकाने वाले दोनों व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। इस मामले में एडिशनल ऊढ राजेश दंडोतिया ने बताया कि ट्रांसजेंडर की शिकायत पर लसूड़िया पुलिस ने सोना और राहुल के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। वहीं पूरे मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

## दुष्कर्म के आरोप में घिरे कथावाचक उत्तम स्वामी ने कथा से बनाई दूरी

जबलपुर। राजस्थान की युवती से दुष्कर्म के आरोप के बाद विवादों में आए महामंडलेश्वर और कथावाचक उत्तम स्वामी इन दिनों जबलपुर में कथा कर रहे हैं। शुक्रवार को उन्होंने कथा से दूरी बना ली। वह दोपहर में निर्धारित समय तक व्यासपीठ पर नहीं पहुंचे। बाद में उनकी जगह एक शिष्य ने कथा की। बता दें कि मध्य प्रदेश में जबलपुर के भेड़ाघाट के नजदीक ग्राम हीरापुर बंधा में उत्तम स्वामी का एक आश्रम है। इसी आश्रम में वह नौ फरवरी से कथा कर रहे हैं। 15 फरवरी तक उनकी कथा का आयोजन निर्धारित है। इस बीच, गुरुवार को एक युवती का दिल्ली पुलिस को भेजा गया ईमेल सामने आया। इसमें युवती ने उत्तम स्वामी पर दुष्कर्म की शिकायत की है। मामले में प्रतिक्रिया के लिए उत्तम स्वामी से फोन पर संपर्क किया गया, लेकिन उन्होंने प्रतिक्रिया देने से मना कर दिया और कहा कि समय आने पर अपना पक्ष रखेंगे। हीरापुर स्थित आश्रम में आने के बाद से उत्तम स्वामी प्रतिदिन सुबह ध्यान एवं साधना करते थे। उसके बाद आश्रम परिसर में दोपहर दो बजे से श्रीमद्भागवत कथा का पाठ करते थे। शुक्रवार को स्वामी ने नित्य की भांति सुबह पूजन किया। आश्रम में चल रहे यज्ञ में आहुति दी। उसके बाद कुछ अनुयायियों से मिले और फिर विश्राम के लिए अपने कक्ष में चले गए।

## गैंगरेप केस में फंसे बीजेपी सांसद के पूर्व पीए समेत 2 आरोपियों ने किया सरेंडर

दुर्गः छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में नाबालिग से सात साल तक कथित सामूहिक दुष्कर्म के मामले में फरार चल रहे दो आरोपियों ने 13 फरवरी को कोर्ट में सरेंडर कर दिया। दोनों आरोपियों में बीएन पांडेय और संजय पंडित शामिल हैं। इस मामले में अब सभी 6 आरोपी पुलिस की गिरफ्त में हैं। बताया जा रहा है कि आरोपी पांडेय बीजेपी सांसद विजय बघेल का पीए है, हालांकि सांसद ने इस बात से इंकार किया है। पीड़िता की शिकायत के अनुसार, बीएन पांडेय, जो दुर्ग सांसद Vijay Baghel के पूर्व पीए रहे बताए जा रहे हैं, ने नौकरी दिलाने का झांसा देकर उसका शोषण किया। हालांकि विजय बघेल ने बयान जारी कर कहा है कि पांडेय उनके निजी सहायक नहीं थे, बल्कि विभागीय अटैचमेंट में कार्यरत थे। गैंगरेप के चार आरोपियों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी थी। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मणि शंकर चंद्रा के अनुसार, दोनों आरोपी लंबे समय से फरार थे। लगातार दबिश और बढ़ते कानूनी दबाव के चलते दोनों ने अदालत में आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस अब कोर्ट से रिमांड लेकर सभी आरोपियों से गहन पूछताछ की तैयारी कर रही है, ताकि मामले के हर पहलू की जांच की जा सके।

पीड़िता के अनुसार, वर्ष 2018 में वह अपनी मां के साथ बिलासपुर से दुर्ग आई थी। मां को पीडब्ल्यूडी विभाग के एक कर्मचारी ने काम दिलवाया और क्वार्टर में ठहराया। आरोप है कि इसी दौरान विभाग के कर्मचारियों ने नाबालिग से दुष्कर्म किया और धमकाया। लॉकडाउन के दौरान मां-बेटी बिलासपुर लौट गईं, लेकिन 2023 में नौकरी के बहाने फिर संपर्क किया गया। आरोप है कि नौकरी का दबाव बनाकर व्हाट्सएप पर न्यूड फोटो और वीडियो मंगवाए गए। वायरल करने की धमकी देकर लंबे समय तक शोषण किया गया। पीड़िता का आरोप है कि अलग-अलग रेस्ट हाउस और होटलों में उसे बुलाकर सामूहिक दुष्कर्म किया गया। 2024 और 2025 में भी घटनाएं जारी रहीं।

## साउथ अफ्रीका में मजदूरी कर रहे अलवर के युवक की संदिग्ध हालात में मौत, शव लाने की उठी मांग

अलवर। राजस्थान के अलवर जिले के राजगढ़ क्षेत्र स्थित धमरेड़ गांव के एक युवक की साउथ अफ्रीका में संदिग्ध हालात में मौत हो गई। परिवार को दी गई जानकारी के अनुसार युवक की मौत हार्ट अटैक से हुई है। घटना की सूचना मिलते ही गांव में शोक की लहर दौड़ गई और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। धमरेड़ गांव निवासी गंगाराम योगी (37) पुत्र छोटेलाल 15 अगस्त 2025 को मजदूरी के लिए साउथ अफ्रीका गया था। परिजनों के मुताबिक वह वहां लुसाका में काम कर रहा था। बुधवार सुबह अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई। साथियों ने उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के करीब आधे घंटे के भीतर उसकी मौत हो गई। भतीजे विष्णु कुमार योगी ने बताया कि सुबह गंगाराम ने नाश्ता किया था। इसके बाद उसे सर्दी महसूस हुई और उसने दवा ली। आराम नहीं मिलने पर कमर में तेज दर्द शुरू हो गया। अस्पताल में डॉक्टरों द्वारा इंजेक्शन लगाने के कुछ समय बाद उसकी मौत हो गई। परिवार को बताया गया कि हार्ट अटैक के कारण उसकी जान गई। डीएनटी समाज के अलवर संयोजक पुखराज योगी ने बताया कि मौत की खबर मिलते ही पूरे गांव में शोक की लहर फैल गई। ग्रामीणों का कहना है कि कई घरों में चूल्हे तक नहीं जले। शुक्रवार को समाज के लोग जिला मुख्यालय पहुंचे और ज्ञापन सौंपकर केंद्र सरकार और विदेश मंत्रालय से मांग की कि गंगाराम का शव जल्द से जल्द भारत लाया जाए। साथ ही शव लाने का खर्च सरकार वहन करे और परिवार को आर्थिक सहायता दी जाए।

परिजनों के अनुसार गंगाराम को अजमेर जिले के किशनगढ़ निवासी ठेकेदार जीतू राजपूत कंपनी के खर्च पर विदेश लेकर गया था। वह हर महीने 30 से 35 हजार रुपए घर भेजता था, लेकिन पिछले दो-तीन महीनों से पैसे नहीं आए थे। गंगाराम अपने पीछे पत्नी, दो बेटियां और एक बेटा छोड़ गया है। तीनों बच्चे स्कूल में पढ़ते हैं। पिता का पहले ही निधन हो चुका है और बुजुर्ग मां घर पर हैं।

## पानीपत से ट्रेन में भिवानी आ रहे सैनिक के साथ हुआ बड़ा कांड, पुलिस के पास पहुंचा मामला

भिवानी। पानीपत से ट्रेन में भिवानी आ रहे एक सैनिक का सामान और दस्तावेज चोरी हो गए। वारदात 31 जनवरी की मध्य रात्रि की है। लेकिन काफी दिनों तक पुलिस के चक्कर लगाने के बाद अब इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज हुई है। गांव खरक और फिलहाल केंद्रीय विद्यालय भिवानी के नजदीक रहने वाले विक्की ने बताया कि वह भारतीय सेना में सेवारत है। गत 31 जनवरी को एकता एक्सप्रेस ट्रेन में बैठकर पानीपत से भिवानी आ रहा था। वह ट्रेन के अंदर सो गया। ट्रेन भिवानी स्टेशन से यार्ड में सफाई के लिए पहुंची तो उसकी आंख खुली। उसने देखा तो उसका सामान गायब मिला। उसने इसकी शिकायत रेलवे पुलिस को दी थी, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की।

विक्की ने बताया कि बैग के अंदर सामान, कपड़े और मोबाइल फोन व सेना का पहचान पत्र भी था। इसके बाद फौजी ने सीएम विंडो और पुलिस अधीक्षक को भी शिकायत दी। कई बार पुलिस स्टेशन के चक्कर भी लगाए। लेकिन चोरी का सामान नहीं मिला और शिकायत भी दर्ज नहीं हो पाई। वहीं राजकीय रेलवे पुलिस चौकी के इंचार्ज सुरेंद्र कुमार ने बताया कि सैनिक की तरफ से लिखित शिकायत पांच फरवरी को आई है। शिकायत में आई कार्ड और मोबाइल फोन चोरी की बात कही गई है। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

## मंडी पुलिस का बड़ा एक्शन, एक ही दिन में दबोचे 2 उद्घोषित अपराधी

सुंदरनगर (सोढी)। जिला मंडी पुलिस की पीओ सैल टीम ने भगौड़ों के खिलाफ चलाए गए विशेष अभियान के तहत एक ही दिन में 2 उद्घोषित अपराधियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। जानकारी के अनुसार पीओ सैल की टीम ने सुंदरनगर के भोजपुर निवासी शकील अख्तर और सरकाघाट के एक अन्य आरोपी को मंडी शहर के अलग-अलग हिस्सों से गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में मुख्य रूप से सुंदरनगर के भोजपुर का रहने वाला शकील अख्तर शामिल है, जिसे पुलिस ने सेरी मंच मंडी से हिरासत में लिया। शकील अख्तर पर चैक बाऊंस और धोखाधड़ी के कई मामले दर्ज थे। वह सुंदरनगर थाना में एनआई एक्ट की धारा 138 के तहत दर्ज मामले में साल 2023 से फरार चल रहा था, जिसके चलते अदालत ने उसे भगौड़ा घोषित किया था। इसके अलावा उसके खिलाफ जंजैहली थाना में धोखाधड़ी और साजिश रचने का मामला दर्ज है, जिसमें हाल ही में जनवरी 2026 में उसे अपराधी घोषित किया गया था। साथ ही बल्ह थाना के एक पुराने धोखाधड़ी के मामले में भी वह लंबे समय से वांछित था। वहीं दूसरे मामले में पुलिस टीम ने जेल रोड मंडी से विनोद कुमार उर्फ अर्जुन को गिरफ्तार किया है। यह आरोपी सरकाघाट के बदरेशा गांव का रहने वाला है। इसके खिलाफ सरकाघाट थाना में धोखाधड़ी और अदालत के आदेशों की अवहेलना करने के मामले दर्ज थे। उसे पिछले वर्ष जून में अदालत द्वारा उद्घोषित अपराधी करार दिया गया था। एसपी विनोद कुमार ने उद्घोषित आरोपियों की धरपकड़ की पुष्टि की है।

## एक साथ 4 सहेलियों ने जहर खाकर की थी आत्महत्या! अब एक ही चिता पर हुआ सभी का अंतिम संस्कार

औरंगाबाद। बिहार के बिहार राज्य के औरंगाबाद जिले से एक बेहद दर्दनाक और चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहां पांच सहेलियों ने एक साथ जहर खा लिया, जिसमें चार लड़कियों की मौत हो गई। बाद में चारों का एक ही चिता पर अंतिम संस्कार किया गया। यह घटना पूरे इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है। यह मामला सैदपुर मोती बिगहा गांव का है, जो हसपुरा थाना क्षेत्र में पड़ता है। 29 जनवरी की शाम को पांचों सहेलियां गांव से कुछ दूरी पर स्थित एक तालाब के पास गईं। वहां उन्होंने पक्षी मारने वाली जहरीली दवा खा ली। जहर खाने के थोड़ी ही देर बाद सभी की तबीयत अचानक बिगड़ने लगी। चार लड़कियों की मौके पर ही मौत हो गई। एक लड़की ने समय रहते दवा थूक दी और घर वापस चली गई। जिंदा बची लड़की ने बताया कि उसने जहर निगलने के बाद तुरंत उसे थूक दिया। घर पहुंचकर उसने पूरी बात परिवार को बताई। घरवालों ने उसे नीम के घोल वाला पानी पिलाया, जिससे उसे उल्टियां हुईं और उसकी तबीयत धीरे-धीरे ठीक हो गई। इसी वजह से उसकी जान बच सकी। दाउदनगर के एसडीपीओ अशोक कुमार दास के अनुसार, घटना वाले दिन पांचों सहेलियां कुछ लड़कों के साथ घूम रही थीं। इस दौरान उनके माता-पिता ने उन्हें देख लिया और डांट-फटकार लगाई। पुलिस के मुताबिक, इसी बात से नाराज होकर लड़कियां तालाब के किनारे पहुंचीं और यह कदम उठा लिया। घटना के बाद गांव में शोक की लहर फैल गई। चारों लड़कियों का अंतिम संस्कार एक ही चिता पर किया गया। बताया जा रहा है कि परिवार आर्थिक तंगी और सामाजिक दबाव से गुजर रहे थे, जिस कारण एक साथ अंतिम संस्कार करने का फैसला लिया गया। पुलिस के अनुसार, घटना की जानकारी उन्हें दो दिन बाद मिली। इसके बाद जिंदा बची लड़की का बयान दर्ज किया गया। पुलिस सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है, ताकि पूरी सच्चाई सामने आ सके। यह घटना न केवल परिवारों के लिए बल्कि पूरे समाज के लिए एक गंभीर संदेश है कि गुस्से या भावनाओं में आकर उठाया गया एक गलत कदम जिंदगी छीन सकता है।